हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

19 मार्च, 1997

खण्ड–1, अंक–11

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार 19 मार्च, 1997

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)1
नियम 45 के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(11)22
घोशणा– सचिव द्वारा	(11)23
सदन के चार सदस्यो के निलम्बन पर पुनर्विचार करने संबंधी मामला उठाना	(11)24
सदस्य का नाम लेना	(11)28
वाक आउट	(11)28
सदन के चार सदस्यो के निलम्बन पर पुनर्विचार करने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)	(11)28
नियम 30 कें अधीन प्रस्ताव	(11)29
समितियो की रिपोर्टस पे ा करना	

(i) पब्लिक अकाउंटस कमेटी की 43वीं रिपोर्ट (ii) सबेर्डिनेट लैजिसले ान कमेटी की 28वीं रिपोर्ट (iii) पब्लिक अंडरटेकिंग्ज कमेटी की 41वीं रिपोर्ट	(11)29 (11)30 (11)30
बिल्ज– (i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 1997 (ii) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997	 (11)30 (11)47
वाक आउट	(11)55
दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997 (पुनरारम्भ)	(11)55
वाक आउट	(11)59
दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997 (पुनरारम्भ)	(11)59

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 19 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Construction of P.W.D (B&R) Rest House, Julana.

***239. Sat Narain Lather:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a P.W.D (B&R) Rest House at Julana (Jind)?

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav): No. Sir.

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, जुलाना के लिए 'नही' में क्यों जवाब आता है, यह बात हमारी समझ में नही आती है? मै मंत्री जी से आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जुलाना में न तो सिंचाई विभाग का रैस्ट हाउस है, न टूरिस्ट कम्पलैक्स का रैस्ट हाउस है और न ही पी0 डबल्यू0 डी0 का रैस्ट हाउस है। वहां आने वाले अतिथियो को काफी दिक्कतें होती हैं इसलिए मै चाहूंगा कि मंत्री जी सहानुभूति पूर्वक कोई जवाब दे जिससे कि वहां पर रैस्ट हाउस बन सके।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि 1971 में जुलाना रैस्ट हाउस के लिए सवा तीन लाख रु0 का ऐस्टिमेट बना था। किसी कारणव ा 1985 के अन्दर यह डैफर हो गया और उसके बाद उस पर सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही हुई। लेकिन यदि अब लाठर साहब वहां के लिए पी0 डबल्यू0 डी0 रैस्ट हाउस आव यक समझते है तो इसके लिए वे लिखित रुप में दे दें, उस पर अव य विचार किया जाएगा।

श्री अध्यक्षः लाठर साहब, आप कितनी भी सप्लीमैंटरी पूछ लें लेकिन जवाब यही होगा।

श्री सत नारायण लाठरः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकारो ने वहां पर कोई काम नही किया। इसलिए कम से कम चौधरी बंसी लाल जी के मुख्य मंत्रित्व काल में जिनको हरियाणा का निर्माता माना जाता है, मै उम्मीद करता हूं कि वहां पर विकास कार्य होगा।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मै पहले की कह चुका हूं कि इस पर अव य विचार किया जाएगा।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय मै मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इन्होने यह उतर नही दिया है कि प्र न ही नही उठता है। मै मंत्री जी से प्रार्थना करुंगा कि बहादुरगढ सब–डिविजन में गांव जसौर खेडी और लहौर खेडी के

बीच नहर का पुल टूटा पडा है। वह मेन रोड पर है। दो साल से इसके लिए मैटिरियल जैसे कि ईंटे वगैरह वहां पर पडा हुआ है। मै मंत्री जी से आ वासन चाहूंगा कि यह पुल कब तक बना दिया जाएगा?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय इनका प्र न रैस्ट हास से संबंधित नही है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के अंदर जितने भ सब–डिविजन है, वहां पर पी0 डब्ल्यू.0 डी0 का रैस्ट हाउस नही है। जैसे कि असंध सब–डिविजन में पी0 डब्ल्यू0 डी0 का रैस्ट हाउस नही बना है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वहां पर रैस्ट हाउस बनाया जाएाग?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय अभी ऐसा कोई विचार नही है।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंाग कि महेन्द्रगए के अंदर पी0 डब्ल्यू0 डी0 का रैस्ट हाउस बहुत ही पुराना है। वहां पर कमरो की संख्या भी बहुत कम है। इस रैस्ट हाउस की मरम्मत की भी आव यकता है। श्री राब बिलास भार्मा जी तो पावर में है, इसलिए ये तो कोई प्र न पूछ नही सकते है। परन्तु मेरा प्र ान पूछने का फर्ज बनता है ि कइस बारे में सरकार क्या करने जा रही है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि वहां पर टेलीफोन भी नही है। इसलिए इनके प्र न पर गौर किया जाएगा।

Upgradation of Govt. Girls Middle School, Sheekhupura Khalsa.

***233. Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Government Middle School for girls of Village Shekhupura Khalsa, District Karnal; and

(b) if so, the time by which it is likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राब बिलास भार्मा): वर्तमान में विद्यालय को सत्रोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नही है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि घरोंडा ब्लाक के गांव भोखुपुरा खालसा के राजकीय कन्या विद्यालय को वर्श 1990–91 में अपग्रेड किया गया था। इसलिए मै पूछना चाहूगा कि यह जो उतर नही में दिया गया है, इसके क्या कारण है। यह गांव काफी बडा है और वहां पर लडकियों की संख्या भी काफी है। इसलिए मै मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या उस विद्यालय को दुबारा अपग्रेड करने पर विचार करेंगे?

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने कहा कि उस स्कूल का दर्जा बढाया गया था। मै उनको बताना चाहूंगा कि उसके लिए कोई फाइनैंि ायल एलोके ान नही हुई। लेकिन अगर उसका दर्जा बढाने के बारे में राजनैतिक दृश्टी से कोई बात हुई होगी तो उसका मुझे पता नही है। रिकार्ड में उस स्कूल का दर्जा नही बढाया गया था। हमने इस स्कूल का सर्वेक्षण करवाया था वह स्कूल अपग्रैडे ान के नार्म्ज पूरा नही करता। न उसके पास पूरी जमीन है और न कोई खेल ग्राउंड है। मै माननीय सदस्य से प्रार्थना करना चाहूंगा कि आप पहले नार्म्ज पूरा करें। उसके बाद उस स्कूल को अपग्रेड करने के बारे में विचार करेंगे।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मै आपके ाध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए क्या क्या नार्म्ज होने चाहिए? स्कूलो को अपग्रेड करने का क्या क्राइटेरिया है उसके लिए कितने कमरे होने चाहिए, कितने छात्र होने चाहिए? जो भी कंडी ान है वह मुझे बता दे ंहम वह पूरी कर देंगे।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैने इस महान सदन में कई बार बताया है कि किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए 15 एकड जमीन चाहिए। पांच किलोमीटर की दूरी के हिसाब से कोई दूसरा स्कूल नही होना चाहिए और 14 कमरे चाहिए। इस स्कूल के छात्रो का संख्य 583 है वह ठीक है लेकिन कमरे 13 है।

मै मोटे तौर पर यह कहना चाहूंगा कि जब वह स्कूल नार्म्ज पूरे कर लेगा, उसके बाद उसको अपग्रेड करने के बारे विचार किया जाएगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय नन्दरामपुर एक बहुत बडा गांव हैं नन्दरामपुर स्कूल सारे नार्म्ज पूरे करता है। उसमें कमरे भी पूरे है। हमारे माननीय अध्यक्ष जी उस स्कूल में पढे है।

श्री अध्यक्षः मै उस स्कूल में नही गया।

कैप्टन अजय सिंह यादवः मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस स्कूल का दर्जा बढाकर दस जमा दो प्रणाली का कब किया जाएगा?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, हम तो कैप्टन साहब की हर बात पर सदा से विचार करते आए है क्योंकि इनके पिता श्री राव अभय सिंह जी हमारे संघ के वाइस प्रैजीडैंट होते थे इसलिए हम इनकी बात पर जरुर विचार करेंगे। आप उस स्कूल के बारे में हमारे पास लिख कर भेंजे यदि वह स्कूल नार्म्ज पूरे करता है तो उसको अपग्रेड करने के बारे में विचार किया जाएगा।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय चिमनी के स्कूल में 19 कमरे है, उसमें एक बहुत बडा एग्जामिने ान हाल है, कार्यालय कक्ष भी है और उसमें खेल के ग्राउंड की फैसेलिटी भी है। क्या उस स्कूल को कन्या हाई स्कूल को दर्जा देंगे? मंत्री जी

ने बताया कि स्कूल को अपग्रेड करने के लिए ये ये नार्म्ज पूरे होने चाहिए। मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के में एक डीघल कन्या हाई स्कूल है उस स्कूल की छात्र संख्या 1500 के करीब है क्या उस स्कूल को भी अपग्रेड करके दस जमा दो प्रणाली का बनाया जाएगा?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, डा0 वीरेन्द्र पाल जी को बताना चाहता हूं कि डीघल रोहतक जिले का बहुत बडा गांव है। इन्होने चिमनी के स्कूल के बारे में पूछा है। मै उनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ि ाक्षा प्रचार और प्रसार के लिए खास करके लडकियो की ि ाक्षा के लिए बहुत संवेदन ाील है। हम पूरे हरियाणा के अन्दर हर विद्यालय का सर्वेक्षण करवाएंगे और जो जो स्कूल नार्म्ज पूरे करेगा उसको अपग्रेड करने के बारे में विचार करेंगे। मै यह भी बताना चाहूंगा कि यदि कोई स्कूल नार्म्ज पूरे करता है और वह हमारे सर्वेक्षण में रह गया तो आप हमें उसके बारे में बताए हम उसको अपग्रेड करने के बारे में विचार करेंगे।

श्री भागी राम: स्पीकर साहब, पिछली सरकार के पांच साल के दौरान जिन जिन हलको में कोई स्कूल अपग्रेड नही हुए क्या उन हल्को के स्कूलो को अपग्रेड करने के बारे में सरकार कोई विचार करेगी?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मै अपने साथी चौधरी भागी राम जी को बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार जोकि ए0 वी0 पी0 और बी0 जे0 पी0 कर सरकार है, स्कूल का दर्जा बढाने में किसी तरह की राजनैतिक सोच नही रखती। हम पूरी तरह से पूरे हरियाणा का सामूहिक विकास करने की सोचते है। बच्चो को ि ाक्षित करने में हम किसी प्रकार का भेदभाव नही रखेगें। जहां पर लडकियो की संख्या अढाई सौ होगी वहां पर हम स्कूल का दर्जा बढाने में पीछे नही हटेंगे। जहां जहां पर स्कूल अपग्रेड करने के नार्म्ज पूरे होते होंगे, वहां वहां पर हम स्कूलो का दर्जा बढा देंगे। इसलिए हम सर्वेक्षण करवा रहे है।

Construction of New Roads

***264. Shri Balwant Singh:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a new road from village Ismaila to Chuliana and Ismaila to Kultana in Rohtak District; and

(b) if so, the time by which the said roads are likely to be constructed?

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav): (a) & (b)

There is proposal for construction of a road from Ismaila to Kultana which is likely to be completed by the end

of 1998 subject to availability of funds. However there is no proposal to construct a new road from Ismaila to Chuliana.

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल का आधा जवाब तो हां मे दे दिया, इनकी नजरे कुछ तो नर्म हुई मै इनसे जानना चाहूंगा कि इसमायला से कुलताना की जो सडक है, वह कितनी लम्बी है और इस पर अब तक कितनी धन रा ि ा खर्च हो चुकी है और कब तक वह पूरी हो जायेगी? दूसरी सडक इसमायला से चुलाना के बारे में इन्होने ना में जवाब दिया हैं मै मंत्री जी से इस सडक के बनाये जाने का भी आ वासन चाहूंगा।

श्री धर्मबीर यादवः इसमायला से कुलताना तक की सडक 1990 में सैंक ान हुई थी। इस पर 18 लाख रुपये खर्च होने है। अभी इस पर एक किलोमीटर तक अर्थ वर्क हो चुका है। यह 5 किलोमीटर लम्बी सडक है। इस पर अभी तक 1 लाख रुपया खर्च हो चुका है। बाकी जैसे (फण्डज़) अवेलेबल होगे काम हो जायेगा। जहां तक इनकी दूसरी सडका का सवाल है, उसकी अभी कोई परपोजल विचाराधीन नही है क्योंकि यह गांव पहले ही किसी दूसरी सडक से जुडा हुआ है और हमारे पास अलटरनेटीव रोड बनाने का फिलहान कोई प्रावधान नही है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय मैने पहले भी प्रार्थना की थी कि हमारे इलाके की सडके पीछे बाढ आने के कारण काफी टूट गई थी। उनकी आज तक मुरम्मत नही हुई है।

मंत्री जी मेरे हल्के के भागे वारी गांव में भी गये थे। उस सडक की हालत इन्होने देखी है। वहां पर पिछले 10 सालो से सडके बिल्कुल रिपेयर नही हुई है। स्पीकर साहब, वहां पर आपका इलाका भी पडता है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्यावे इस तरफ ध्यान देंगे?

श्री अध्यक्षः मंत्री जी मेरा भी सुझाव है कि सतपाल सिंह सांगवान ठीक कह रहे है कि 1995 में जब वहां पर भारी बाढ लाई गई तब से तहसील दादरी में सडको की हालत बहुत खराब है। खासतौर पर लिंक रोडज है। उन सडको की रिपेयर बारे पिछली सरकार ने कोई काम नही यिका और वे रिपेयर से वंचति रही है। क्यां मंत्री जी सडको की रिपेयर करने का आ वासन देंगे?

श्री धर्मबीर यादवःअध्य पिछले कुछ दिनो में भी इस बात का जिक किया गया था। मै फिर से बताना चाहता हूं कि जितनी भी सडके किसी भी डिस्ट्रीक्ट की या सर्कल की टूटी हुई है उनकी रिपेयर यह एच0 वी0 पी0 या बी0 जे0 पी0 की सरकार भीघ्र करेगी, चाहे वह किसी भी विधायक का क्षेत्र है।

श्री रामफल कुण्डूः अध्यक्ष महोदय मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की ऐसी कोई योजना है कि आने वाले वर्श में प्रत्येक क्षेत्र में कुछ नई सडके बनायी जाएं

यानि मेरे कहने का मतलब है कि क्या हर क्षेत्र में 5–10 किलोमीटर की नई सडके बनायी जायेंगी या नही?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय हम लगातार ध्यान रखते है। जहां जहां पर नई सडके बनाये जाने की आव यकता है वहां पर जरुरत के मुताबिक बनाते रहते है और आगे भी बनाएंगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इनके चण्डीगढ के दफतर से जिला हैडक्वार्टरो पर कोई इस प्रकार की चिटठी गई है जिसमें यह द ार्शिया गया हैकि कही पर भी कोई नई सडक बनाने की कार्यवाही न की जाए और न ही कोई नई सडक बनवाने के लिए कोई प्रपोजल ही बनाई जाए?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि मेरी जानकारी के मुताबिक ऐसी कोई चिटठी जारी नही की गई है। विभिन्न नई सडके बनाने के लिए प्रपोजल बराबर प्राप्त हो रही है।

Opening of P.H.C, Kulasi (Rohtak_*352. Sh. Nafe Singh Rathee: Will the Minister for Health be pleased to state the time by which the construction work of P.H.C Kulasi (District Rohtak) is likely to be started/completed?

स्वास्थय मंत्री (श्री औम प्रका ा महाजन): राश्ट्रीय नार्म्ज के अनुसार गांव कुलासी में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

स्वीकृत किया जा सकता है। इस गांव में पहले ही एक उप–केन्द्र कार्य कर रहा है।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय मंत्री जी ने हाउस में आ वासन दिया है कि वहां पर एक उप–केन्द्र पहले से ही काम कर रहा है। वहां पर प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र बनवाने के लिए 1989–90 में भवन निर्माण का कार्य 95% पूरा हो गया था और वहां पर अभी भी हैल्थ सैंटर ही काम कर रहा है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि यह प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वहां पर कब से काम करना भाुरु कर देंगा?

श्री औम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय भारत सरकार की जो नीति है उसके अनुसार इनके गांव की जनसंख्या 5 हजार से कुछ कम पडती है और इस समय छारा प्राइमरी हैल्थ सैंटर में यह गांव आता है। भारत सरकार की स्वास्थ्य नीति के अनुसार 3 हजार की आबादी के ंगांव में प्राईमरी हैल्थ सेंटर खोला जाता है। इनहोने बताया है कि इनके गांव में बिल्डिंग बनी हुई है लेकिन मुझे इस बारे में जानकारी नही है। अगर यह कह रहे है तो वहां पर इस बारे में जांच करवा कर जानकारी प्राप्त कर लेंगे।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय वहां पर बिल्डिंग का 95% काम पूरा हुआ पडा है इसलिए मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करे कि वहां पर यह सैंटर कब से काम करना भाुरु कर देगा?

श्री औम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय अगर वहां पर बिल्डिंग कम्पलीट हुई तो जल्दी से यह सेवा वहां पर भ्ाुरु करवा देंगे।

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के में बलियाना गांव में एक उप–केन्द्र है लेकिन बिल्डिंग नही है, क्या वहां पर ये बिल्डिंग बनवाने बारे विचार करेंगे?

श्री औम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय मै अपने आदरणीय साथी को बताना चाहूंगा कि सरकार ने जो बिल्ड्ंग बनाई है उनमें 25 पी0 एच0 सी0, 19 सी0 एच0 सी0 और 10 हास्पीटल आते है। जो गांव इन्होने बताया है मेरी जानकारी में यह बात नही है कि वहां पर बिल्ड्ंग है या नही है अगर वहां पर बिल्ड्ंग नही है तो ये उसके बारे में दरखास्त भिजवा दें, इस बारे में स्थिती देख कर मै इनको बता दूंगा। (विघ्न)

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से माननीयमंत्री जी के नोटिस में यह बात लाना चाहूंगा कि भूसला गांव में एक बहुत बडा होस्पीटल बनायाजा रहा है। यह होस्पीटल एक छात्र कनाडा गया था वहां जा कर उसकी डैथ हो गई थी, उसकी याद में बनवाया जा रहा है। बडी हाई टैक्नोलोजी की म ाीने इस अस्पताल में इनस्टाल करने के लिए दिलली ऐयर पोर्ट पर आई पडी है। मै माननीय स्वास्थ्य मंत्री तथा आदरणीय

मुख्य मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि क्या वे इस म ाीनरी को इस हास्पीटल में इनस्टाल करने के लिए दिल्ली से दिलवाने बारे कोई कार्यवाही करेंगे?

श्री औम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय मेरी जानकारी के मुताबिक जिस अस्पताल के बारे माननीय सदस्य जिक्र कर रहे है, यह जिला कैथल में हैं मेरी जानकारी के मुताबिक पिछले साल या डेढ साल से यह सामान दिल्ली ऐयर पोर्ट पर पडा हुआ है और इस पर काफी डैमरेज भी पड चुका है। उसमें राज्य सरकार कुछ नही कर सकती अगर उसमें कुछ एग्जम्प ान कोई दे सकती है तो वह सैन्टर गवर्नमैंट दे सकती है। इस बारे मे ये मुझे मिले भी थे ओर मैने इनको कहा था कि आप इस बारे में सैंटर गवर्नमैंट से मिले।

Repair of Roads

***302. Capt. Ajay singh Yadav:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads of District Rewari during the year 1996-97:-

(i) Rewari-Sangwari road via Budhla Konsiawas;

(ii) Rewari-Assadpur road via Talanpur Istomrar Turkiwas;

(iii) Rewari-Nalthera road via Dakiva, Khatawali;

(iv) Approach road to Khayaliwas;

(v) Approach road to Jeetpura Pataudi Kausbewas, Gokulpur;

(vi) Approach road to Nand Rampur Bas. Bhastana;

(vii) Approach road t Kishangar, Ghasora, Gindhokhar; and

(viii) Approach road to Jarthal, Sampli.

Public Works Minister (Shri Dharamvir Yadav): Yes, Sir Road cuts have been filled. Further Patch Work and Premix Carpet whatever necessary will be got done by 30-6-97 subject to availability of funds.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय मंत्री जी का तो यह पैट जवाब है कि फंड उपलब्ध होने पर निर्भर करता है। जो सडके मैने बताई है उनमें से खास तौर पर रिवाडी से संगवाडी तक की जो सडक है उसमें इतनी ज्यादा खराबी आ चुकी है कि वहां पर 10किलोमीटर से अब भी गाडी नही चल सकती । इसी तरह से रिवाडी से असदपुर तक की सडक भी 30–30 फुट तक टूट चुकी है। इसके अलावा नंदरामपुर और घसौरा की जो सडके है। वहां पर पानी भरा रहता है। क्या इनको ये ठीक करवाने की कोि ा ा करेंगे? साथ में मंत्री जी यह भी बताएं कि इन पर कितना पैसा लगेगा?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मै कैप्टन अजय सिंह तथा इस सदन को यह बताना चाहूंगा कि इस प्र न में 8 सडको को मैं ान किया हुआ है और मै 14 तारीख को इन 8 मे से 6

सडको के बारे में जवाब दे चुका हूं। लेकिन कैप्टन अजय सिंह सदन का समय खराब कर रहे है। इन सडको की इतनी बुरी हालत नही है जितनी ये बता रहे है। इनको तो रात में भी सडको के सपने आते रहते है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी धारुहेडा से अलालपुर वाया बास एक सडक है। यह मेरे गांव के पास है। 1995 मे जब कैप्टन अजय सिंह जी मंत्री होते थे तो मैने इनको कहा था कि इस सडक का बहुत ही बुरा हाल है, यह सडक टूटी पडी है। उस वक्त तो इन्होने इस पर कोई गौर नही किया लेकिन क्या आप इस बारे में कुछ करेंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय हम इसको ठीक करवाएंगे।

Repari of Roads

***298. Shri Balbir Singh:** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state the time by which the following damaged roads of Meham constituency are likely to be repaired:-

(i) Village Bhaini Bhairon to Meham;

(ii) Meham to Ballamba;

(iii) Meham to Ganganagar, Titri and Bhran;

(iv) Madina to Ajaib;

(v) Madina to Girawar;

(vi) Mokhra to Kalanaur; and

(vii) Mokhra to Muradpur Tekna and lahli?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): इन सडको की पैच लगाकर मरम्मत कर दी गई है बाकी मरम्मत का कार्य धन की उपलब्धता पर 30–6–1997 तक किए जाने की संभावना है।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय इन्होने जवाब में कहा है कि मरम्मत कर दी गई है, यह इन्होने इन सात सडको के बारे में कहा है। अध्यक्ष महोदय हमारे हल्के में सबसे ज्यादा बाढ आती है इसलिए वहां की सडके बर्बाद हो रही है। मंत्री जी कम से कम इन 6–7 सडको में किसी एक सडक की मरम्मत तो करवा दें।

श्री धर्मबीर यादव: अध्यक्ष महोदय भेणी भैरो से महम रोड पर पैच वर्क किया जा चुका है। इसी तरह से महम से बहलबा, महम से भराण, मदीना से अजैब की सडको पर पैच वर्क किया जा चुका है लेकिन मदीना से गिरावड की सडक पर काम होना अभी बाकी है।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय इन सडको पर यह काम हो गया है या अभी करवाया जाएगा? मै असलियत कह रहा हूं कि वे सडके बिल्कुल खराब हो गई है। अध्यक्ष महोदय आप चाहे तो इन सडको के बारे में पडोसी हलके के किसी विधायक से

पूछ सकते है। मंत्री जी जितना काम करवा सके, उतना ही हमें आ वासन दे, ज्यादा आ वासन हमें नही चाहिए।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मैने पहले ही इस प्र न का उतर देते हुए कहा है कि जैसे ही फंडज अवेलेबल होगे, इन सडको की मरम्मत कर दी जाएगीं।

श्री बन्ता राम वाल्मीकीः अध्यक्ष महोदय मेरा एक क्वै चन लगा था जिसमे ंमंत्री जी ने गोडा गुडी की जगह गोडा गडी कर दिया यानी की ड की मात्रा हटा दी। ऐसा करके इन्होने सारे सदन को गुमराह किया है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं। मंत्री जी ने एवं इनके औफिसर्ज ने हमारे को ही नही बल्कि सारे सदन को गुमराह किया है। इन्होने कहा था कि कोई ऐसा गांव नही बचा जो सडको से न जोडा गया हो तो मंत्री जी इस बारे में बता दें।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, यह कोई सप्लीमैंट्री नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि पैच वर्क किस सडक पर होता है? जो सडके फलड में पूरी तरह स`टूट गयी है तो क्या ये उन पर भी पैच वर्क करके काम चलाते है। महम के इलाके में मै अभी थोडे दिन यानी 15 दिन पहले गया था। आज से दो साल पहले जो फलड आया था तो उसे महम से लाखन माजरा वाली सडक जो बहुत ही महत्वपूर्ण सडक है। यह आगे गोहाना से पानीपत को

मिलाती है। आज इस सडक की बहुत बुरी हालत है। अगर आप पैच वर्क ही लगाते रहेागे तो आपकी सारी उम्र उस पर पैच वर्क करते ही निकल जाएगी। इसलिए मै जानना चाहता हूं कि क्या आप उसको दोबारा से बनवाएंगे? क्या आप ऐसी सडको को आईडैन्टीफाईड किया है जिन पर पैच वर्क या मेजर वर्क की जरुरत है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय विभाग के अधिकारी असैस करके सडको का सर्वे करते है। जिन मौजूदा रोड्ज पर पैच वर्क होना है, उन पर पैच वर्क किया जाता है जो रोड्ज टूट गयी है, उनको दोबारा बनाया जाता है और जिन पर कारपेटिंग करनी होती है उन पर कारपेटिंग करते है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः लेकिन क्या आपने ऐसी सडके आईडैटिफाई की है?

***319. Shri Jagbir Singh Malik:** Will the Minister for cooperation be pleased to state whether it is a fact that the cooperative Sugar Mills in the State running is lost during the last five years; if so, the year wise details thereof together with the steps taken or proposed to be taken to make the aforesaid sugar Mills profitable?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह): दस सहकारी चीनी मिलो में से सात सहकारी चीनी मिलें नामतः पानीपत, कैथल, महम, भूना, सोनीपत व भााहबाद पिछले पांच वर्शो से घाटे में रही

है। इन मिलो के धाटे का विवरण तथा लाभ कमाने बारे किए गए उपाध्यक्ष महोदय,य संलग्न अनुबंध–1 में दिए गए है।

अनुबन्ध–1

पिछल 5 वर्शो में हुए घाटे के विवरण तथा लाभ कमाने बारे लिए गए उपाध्यक्ष महोदय,यो का विवरण।

पिछले पांच वर्शो में सहकारी चीनी मिलो में हुए घाटे का विवरण निम्न प्रकार है:–

मिल का नाम	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95	1995–96
पानीपत	211.06	103.47	123.81	350.64	974.06
रोहतक	112.67	–	–	106.05	167.32
सोनीपत	–	–	–	–	173.31
कैथल	780.69	705.25	527.45	569.39	467.45
महम	675.64	347.13	127.87	01.38	568.75
भूना	557.27	828.48	710.09	802.76	951.51
भााहबाद	–	–	–	–	186.54

चीनी मिलो को लाभ की स्थिती मे ंलाने के लिए किए गए/किए जाने वाले उपाय

गन्ना प्रबन्धन

बेहतर गन्ना प्रबन्धन के लिए मिल्ज प्र ाासन को सख्त किया गया है ताकि गन्ना बन्धीकरण, गन्ने का विकास तथा उच्च स्तर का गन्ना उपलब्ध हो सके। अधिक चीनी देने वाली किस्म के गन्ने की पैदावार का क्षेत्र बढाने के लिए वि ोशतः कैथल, भूना, व महम मिलो में टि यू कल्चर टैक्नोलोजी का इस्तेमाल करने बारे कदम उठाए गए है।

मुरम्मत एवं रख–रखाव

मिलो की मुरम्मत एवं रख रखाव सुनि चित करके वि ोशतः भााहबाद, पानीपत, महम, कैथल, व भूना मिल्ज की तकनीकी समस्याओ को निवारण कर अधिक चीनी उत्पादन सुनि चित किया गया है।

वितिय सहायता

मिलो को सुचारु रुप से चलाने के लिए पर्याप्त मात्र में धन उपलब्ध करवाया गया है। राज्य सरकार ने चार चीनी मिलो को उनकी जरुरत पडने पर 3 करोड रुपये हिस्सा पूंजी तथा 2.00 करोड रुपये ऋण के रुप मे ंउपलब्ध करवाये गये है।

चीनी का निर्यात

इस पिराई सत्र से चीनी का निर्यात पहली बार भुरु किया गया है। जीन्द व करनाल मिलो ने चीनी के दो रैक निर्यात किए है तथा भविश्य में भी चीनी के निर्यात की सम्भावना है। ऐसा करने से चीनी के अधिक दाम मिलेंगे।

विकय वसूली

चीनी तथा अन्य सह उत्पादन वि ोशकर भीरा की बेहतर विकय वसूली के लिए उचित अनुश्रवण किया गया है।

प्रबन्धन

मिलो को सुचारु रुप से चलाने के लिए प्रबन्धन निदे ानो की लम्बी अवधि के लिए नियुक्ति सुनि चत की गई है जिससे बेहतर योजना एवं नियंत्रण किया जा सके।

विस्तारीकरण

गन्ने की अधिक मात्रा में उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए पलवल व जीन्द मिलो के विस्तारीकरण का प्रस्ताव है जिससे मिलो को और लाभ होगा।

मिलो का पुनर्वास

कैथल, भूना तथा महम चीनी मिलो के बारे में पिराई क्षमता को पुनः व्यवव्स्थित करने के लिए जनरेटिंग क्षमता को मिल

चालू रखने के लिए पहले चरण में पुनर्वास प्रस्ताव बनाये जा रहे है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन मिलो के घाटे में जाने के क्या कारण है और क्या इस बारे में कोई इंक्वायरी करायी गयी है या नही?

श्री नरबीर सिंहः स्पीकर साहब, जो तीन मिले 1991 में लगी थी यानी भूना, कैथल और महम की भाूगर मिल, उनमें इंक्वायरी करवायी गयी तो यह पाया गया कि इनकी म ीने घटिया हैं इसके अलावा भूना मिल मे तो गन्ना भी उतना उपलब्ध नही होता है जितना होना चाहिए। इसलिए ये मिल्ज घाटे में है

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, मै जानना चाहूंगा कि भााहबाद भाुगर मिल जो पहले मुनाफ में थी और जिसका मुनाफा लगभग 35 करोड रुपये तक चला गया था लेकिन पिछले साल यह मिल डेढ करोड के लौस में आ गयी। इसमें जो गबन हुआ है उसकी जांच चल रही है। क्या उस जांच में कोई दोशी पाया गया है या नही अगर कोई दोशी पाया गया है तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है?

10:00 बजे

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय भााहबाद मिल पिछली बार 1 करोड 86 लाख घाटे में गयी। उसकी इंक्वायरी कराई गई है और एम0 डी0 को ससपैंड कर दिया गया है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय पानीपत की भूगर मिल का जो घाटे का कारण है उसके बारे में मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं। पिछले वर्शो में यह भूगर मिल बहुत घाटे में रही है?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय पानीपत भूगर मिल सबसे पुराना मिल है इसको बने हुए 40 साल हो गए है। इस मिल की इतनी पिराई की क्षमता नही है जितना आज होनी चाहिए। इसलिए पानीपत भूगर मिल को ि ाफट करने का प्रोग्राम है। गोहाना वाली भूगर मिल की गवर्नमैंट आफ इंडिया से रिकमंडे ान आ गई है। पानीपत की भूगर मिल की भी जल्दी ही वहां से रिकमंडे ान आ जाएगी और इनको ि ाफट किया जाएगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी अभी आपने फर्माया कि भूना भूगर मिल सबसे अधिक घाटे में रही और उसमें गन्ने की भी कमी है और वायबल नही है। मै जानना चाहता हूं कि यह मिल कब बनी थी क्या ऐक्सपर्ट कमेटी ने इसके बारे में कोई रिपोर्ट दी थी कि यह मिल वायबल नही हो सकती और क्या पहले यक रिक्वीजी ान थी कि गन्ना होना चाहिए।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय इस भूगर मिल की स्थापना 1988 मैं की गई और 1991 में यह बनकर तैयार हुई। 1991 से ही यह घाटे मे ंचल रही है।

श्री सोमबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय महम, कैथल और भूना की मिलो के अंदर जो म ीनरी खरीदी गई थी उसके लिए क्या ऐक्सेस पेमेन्ट की गई थी, यदि की गई थी, तो क्या इस बारे में कार्यवाही हो रही है?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय ऐक्सेस पेमेन्ट की गई है और उसके बारे में कार्यवाही चल रही है।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय मै आपको माध्यम से मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि जिस सीजन में मिल चालू हुआ उसमें बायलर की एक टयूब 90 रुपये में पडती है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछिए।

Sh. Ram Bilas Sharma: Sir, this is question hour. Hon'ble Member can ask the question.

श्री बलबीर सिंहः सर यह इससे संबंधित है। यह टयूब 90 रुपये में पडती है और इसका ठेका 450 रुपये प्रति टयूब के हिसाब से दिया गया। यह रिकार्ड की बात है। 705 टयूब डाले गए है। यह ठेका चन्द्रपाल सिंह ने लिया है और उसने दूसरे आदमी को 90 रुपये में यह ठेका दिया। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): इसकी पूरी जांच करा देंगे।

Widening of Dadri-Narwana/Rewari Panipat Roads

***349. Shri Birender Singh:** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to strengthen and widen the following roads:-

(i) Narnaul to Narwana via Dadri-Bhiwani & Jind; and

(ii) Rewari to Panipat via Jhajjar & Rohtak?

Public works Minister(Shri Dharamvir Yadav): Yes, Sir,

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इसमें भी फण्ड की अवेलेबिलिटी वाली बात अडती है या नही? क्योंकि यह तो मंत्री जी का जवाब बन चुका है। This is not proper on the part of the Minister because on every question he says whatever is to be done that depends upon the availability of funds. At least he should be categorical in his reply and he should not give the sweeping reply to the members. This is our right that we should get a categorical reply.

Mr. Speaker: Ch. Birender Singh, you please ask the question.

Sh. Birender Singh: But Sir, this is improper on the part of the Minister because every time he says that

whatever work is to be done, will be done on the availability of funds. As for as this question relating to roads is concerned. I want to know whether the roads from Narnaul to Narwana via Dadri, Bhiwani and Jind, Rewari to Panipat via Jhajjar and Rohtak will be constructed on the standard pattern of National Highway or not whether these will also be constructed the availability of funds. I think this point of availability of funds should not come in their way, because there is heavy traffic on these roads?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय हमारी वर्ल्ड बैंक से इस बारे मै बातचीत चल रही है। कोटपुतली से नारनौल, महेन्द्रगढ से दादरी, दादरी से भिवानी, भिवानी से जींद और जींद से नरवाना तक सडक बनाने के लिए तथा जो चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि रेवाडी से झज्जर, झज्जर से रोहतक, रोहतक से गोहाना और गोहाना से नरवाना की सडक को भी वाईडनिंग करने के लिए वर्ल्ड बैंक से बातचीत चल रही है और फाइनेलाइज होने वाली है। हम जल्दी ही काम भुरु कर देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय मै मुख्य मंत्री जी से एक बात और जानना चाहूंगा कि पिछले दिनो में इन दोनो सडको पर ट्रैफिक काफी बढ गया है क्या अपने न दोनो सडको को ने ानल हाइवे में कंवर्ट करने के लिए भारत सरकार से कोई मामल या बात भुरु की है? क्योंकि इन सडको पर अब जिस कदर ट्रैफिक बढा है उसको देखते हुए अगर इनको ने ानल हाइवे में

कंवर्ट कर दिया जाये तो इसके लिए आपको फण्ड भी भारत सरकार से मिलेंगे।

श्री बंसी लालः भारत सरकार इन सडको को ने ानल हाईवे में कंवर्ट करने को तैयार नही है। भारत सरकार ने जो तरीका हमें सुझाया है हम उसी तरीके से काम कर रहे है।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय मै भी माननीय सदस्य को थोडी सी जानकारी देना चाहता हूं। हरियाणा के अन्दर लगभग 872 किलोमीटर सडके ने ानल हाईवे के स्टेटस की है जिनके बारे में वर्ल्ड बैंक से बातचीत चल रही है। इन पर 961 करोड रुपया खर्च होना है जिसका 70 प्रति ात यानि 681 करोड रुपया वर्ल्ड बैंक फाईनैंस करेगा और 30 प्रति ात यानि 280 करोड रुपया स्टेट को खर्च करना है। वर्ल्ड बैंक ने पांच करोड रुपया इस स्कीम के तहत रिलीज कर दिया है जिससे अब सर्वे किया जा रहा है। एक डेविस कम्पनी मैसर्ज काल ब्रदर्स इस काम का सर्वे कर रही है। जैसे ही फण्डज अवेलेबल होंगे, काम भाुरु कर दिया जायेगा जैसा कि मैने पहले भी जवाब में बताया था जो तथ्यो के मुताबिक सही जवाब दिया गया है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय अम्बाला चण्डीगढ रोड पर आज काफी ट्रैफिक बढ गया है। मै मानता हूं कि यह रोड पंजाव के क्षेत्र से होकर आती है। इस सडक पर हमारे एक माननीय सदस्य की सडक हादसे में मृत्यु हो चुकी है। मै मंत्री जी

से जानना चाहता हूं कि क्या वे संबंधित सरकार से इस मार्ग को फोर लेनिंग में बदलने के लिए तथा डेरावाली के पास जो रेलवे फाटक इस मार्ग पर है, उस पर रेलवे ओवर ब्रिज बनाने की कोई बातचीत करने जा रहे है और अगर कोई बातचीत नही चल रही है तो आप क्या ऐसी कोई बातचीत करने का प्रयास करेंगे?

श्री धर्मबीर यादवःअध्यक्ष महोदय, रेलवे ओवर ब्रिज बनाने का मामला तो कोई विचाराधीन नही है। लेकिन सडक का वाया मीडिया यह है कि पंचकुला से भााहबाद वाया साहा एक नया रोड तैयार किया जाये जिसका स्टेटस करीब करीब ने ानल हाईवे जैसा हो। इसके बारे मामला विचाराधीन है और इस बारे में भी वर्ल्ड बैंक ने ही फाइनैंस करना है जैसा कि अभी मैने व्याख्या की है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि जैसे रोहतक से पानीपत का रोड बनाया जा रहा है क्या ऐसा ही रोड सोनीपत का भी बनाने की कृपा करेंगे क्योंकि सोनीपत वाली सडक की हालत बहुत खराब है कृप्या मंत्री जी इस ओर ध्यान दें।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय इसी स्कीम के तहत रोहतक से सोनीपत (वाया गोहाना) को जोडने पर विचार किया जाएगा।

***386. Sh. Baghi Ram:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a P.W.D Rest House at Ellenabad in District Sirsa?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): हां श्रीमान् जी।

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय मै मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि कम से कम इन्होने मेरे प्र न का जवाब हां मे तो दिया क्योंकि जब से हाउस चल रहा है, इन्होने हो में जवाब नही दिया है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस रैस्ट हाउस का ि ालान्यास कब हुआ, इस रैस्ट हाउस के ि ालान्यास के बाद इस पर कितना पैसा खर्च हुआ, कब से इसका काम बन्द है और यह कब भाुरु किया जाएगा?

श्री धर्मबीर यादव: अध्यक्ष महोदय इस भवन की एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल 1988 में हुई। जमीन मालिक ने हाई कोर्ट मे इस बारे मे एक पैटि ान फाईल की थी, जिसकी वजह से काम रुक गया था। हाई कोर्ट में सरकार जीत गई लेकिन उसके जमीन मालिक सुप्रीम कोर्ट में चले गए। सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला 1990 में हो चुका है और उसके बाद 1994 मे इसको बनाने के लिए कंट्रैक्टर से बात की गई तो उन्होने उस रेट पर काम करने से मना कर दिया। अब दुबारा से इस एस्टिमेट बनाने के लिए सरकार विचार कर रही है। अब तक इस पर लगभग 2 लाख 89 हजार रुपया खर्च हो चुका है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, 1990 में सरकार यह केस जीत गई थी। 1990 से अब तक तो 7 साल हो चुके है। इसलिए मै मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इसके उपर कब तक काम भुरु हो जाएगा?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, 1990 में नही बल्कि 1994 में सरकार ने केस जीता था। 1990 में तो जमीन मालिक ने पैटि ान फाईल की थी तथा 1994 में यह केस सरकार के पक्ष में गया था।

श्री जगदी ा नायरः अध्यक्ष महोदय, मेरा क्षेत्र बिल्कुल पिछडा हुआ है। वहां पर कोई रैस्ट हाउस नही है। अभी कल या परसो बाबू जी वहां पर जाने का प्रोग्राम है। मेरे विधान सभा क्षेत्र हसनपुर में अभी कोई रैस्ट हाउस नही है। वहां पर जगह भी बहुत है इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वहां पर एक रैस्ट हाउस बनवाने की कृपा करें?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, अभी ऐसा कोई विचार नही है।

Production/Consumption of Liquor in the State.

***411. Sh. Jagdish Nayer:**Will the Minister for Prohibition and Excise be pleased to state-

(a) the year wise total consumption of Country Liquor and Indian made foreign liquor (inproof liters) in the State during the years 1980-81 and 1995-96; and

(b) the year wise & distillery wise details of the Country liquor and Indian made foreign liquor produced (in proof liters) in the State during the period as referred in part (a) above?

मद्यनिशेद्य एवं आबकारी मंत्री (श्री गणे ी लाल): विधान सभा के पटल पर ब्यौरा पे ा है।

ब्यौरा

(क) वर्श 1980–81 से 1995–96 के दौरान दे ी भाराब, बीयर सहित अंग्रेजी भाराब की कुल वार्शिक खपत निम्न प्रकार है:–

वर्श	दे ी भाराब (प्रूफ लिटर में)	अंग्रेजी भाराब (प्रूफ लिटर में)	बीयर (बल्क लिटर में)
1980–81	4993664	4443067	5721755
1981–82	7232976	5049768	7139032
1982–83	8005330	5432743	6261948
1983–84	10081749	8151318	6432728
1984–85	11997430	7784723	8244445

1985—86	12916338	9431469	10159798
1986—87	13485708	11244918	8686941
1987—88	16619178	13412104	11066464
1988—89	18752696	13672159	19688826
1989—90	21217271	15972335	13106187
1990—91	23854788	17982875	15900936
1991—92	26636938	16330489	11191069
1992—93	28703526	18371962	12602363
1993—94	30084612	17956761	9192873
1994—95	31073144	18497378	9787197
1995—96	31425065	18904517	10609851

वर्श	हरियाणा डिस्टलरी यमुनानगर		पानीपत डिस्टलरी पानीपत		एसोसिएटिड डिस्टलरीज लि0 हिसार		अ ोका डिस्टलरीज एण्ड कैमीकल्ज (प्रा0 लि0 हथीन)	
	दे ी भाराब	आई0 एम0 एफ0 एल0	दे ी भाराब	आई0 एम0 एफ0 एल0	दे ी भाराब	आई0 एम0 एफ0 एल0	दे ी भाराब	आई0 एम0 एफ0 एल0
1980–81	3255034	1533638	2677522	1013391	–	–	–	–
1981–82	4872367	2367174	2722513	795256	–	–	–	–
1982–83	5343766	1854976	2744047	453684	–	–	–	–
1983–84	6322050	2112833	4221089	429346	–	–	–	–
1984–85	7048112	2768322	4766445	627175	786651	–	–	–
1985–86	6603557	2464851	3884344	1292753	3424773	–	–	–
1986–87	6718798	2991517	4436728	1201807	2860407	1154728	–	–
1987–88	9213044	2447092	5259088	925820	1840699	1705241	–	–
1988–89	10984094	2350610	5366373	1038874	2308022	3065472	–	–

1989—90	11731930	2718913	5727312	1287289	3476924	2896188	—	—
1990—91	13230899	3336541	5889904	880092	4731713	2378546	—	—
1991—92	13262307	3252889	5894584	843368	6795905	1690014	1416967	343238
1992—93	12875237	3710046	6091607	767456	6800014	1830735	3051526	347121
1993—94	13080940	4463866	5693177	579077	6927519	2018547	4196512	969464
1994—95	12622302	4081669	5208912	200044	6665099	2389189	6147774	1346449
1995—96	14675985	4065869	4629596	—	6455716	2972645	5729098	1403907

वर्शवार तथा ब्रुबरीवार उत्पादित बीयर का विवरण

वर्श	इन्डो लान ब्रा ब्रुवरी लि0 फरीदाबाद	हरियाणा ब्रुवरीज लि0 मुरथल (आंकडे लाख बल्क लिटर में)	इन्रसिया इन्डस्ट्रीज लि0 जोनियावास (रिवाडी)
1980–81	55.74	55.30	
1981–82	61.97	50.24	
1982–83	71.39	44.02	
1983–84	71.59	45.76	
1984–85	91.43	69.56	
1985–86	66.91	95.26	
1986–87	80.99	93.34	
1987–88	80.32	73.93	
1988–89	104.97	65.23	
1989–90	107.59	80.65	
1990–91	123.10	75.78	
1991–92	125.40	77.10	
1992–93	132.93	89.23	
1993–94	151.81	79.75	33.77
1994–95	165.16	98.90	139.81
1995–96	168.74	115.36	212.01

अध्यक्ष महोदय, वैसे तो पूरी जानकारी सदन के पटल पर रखी गई है लेकिन फिर भी इसमें दो ऐसे टैक्नीकल भाब्द है—एक प्रूफ लीटर और एक बल्क लीटर। इसमें कंट्री लिकर के 3 लीटर 8 बोतल के बराबर होते है, आई0 एम0 एफ0 एल0 के 9 प्रुफ लीटर 16 लीटर के बराबर और 3 बीयर के बल्क लीटर 20 बोतल के बराबर होते है।

श्री जगदी ा नैययरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वर्श 1996—97 में कुल कितनी खपत हुई?

श्री गणे ाी लालः मान्यवर अध्यक्ष महोदय, इसलिए मैने उन दो टैक्नीकल वर्डज़ को आपकी मार्फत सदन के माननीय सदस्यो के सामने क्लीयर करना चाहा था। अध्यक्ष महोदय, वर्श 196—97 में लगभग 553 करोड रुपये के रेवेन्यू के साथ लगभग 13 करोड 57 लाख भाराब की बोतले हरियाणा प्रदे ा में कंज्यूम हुई। इन आंकडो को यहां जोडने के बाद 13 करोड 57 लाख नही बनते इसलिए मैने प्रुफ लीटर और बल्क लीटर का जिक्र किया था। मैने पहले जो आंकडे बताए है यदि उनको मल्टीपलाई करके ठीक करे तो जो हमस दन से बाहर प्रैस में और सदन के अन्दर कहते है वह बिल्कुल उनके साथ जुड जांएंगे।

श्री जगदी ा नैययरः स्पीकर साहब, पिछली सरकार के पूर्व मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी ने जानबूझ कर उस रिकार्ड को खत्म तो नही कर दिया?

श्री गणे ी लालः मान्यवर अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के 34930 औफैंस के केसिज है जो हमने पकडे है। उसमें 13111 लोगो का चालान होने के प चात् पिछली बार मैने सदन में भी बताया था, लगभग 900 लोग कनविक्ट हो चुके है और लगभग 2 हजार 85 व्हीकल्ज को हमने इम्पाउंड किया है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि एक जुलाई 1996 से भाराब बंद होने के बाद अब तक पुलिस द्वारा कितनी भाराब पकडी गई और जो भाराब पुलिस द्वारा पकडी गई क्या उसको नश्ट किया गया या और कुछ किया गया?

श्री गणे ी लालः मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगा कि भाराब के मामले में जिनके केस डिस्पोज औफ हो चुके है उस भाराब के बारे में आपने समाचार पत्रो के माध्यम से भी पढा होगा कि उस भाराब की होली सी जलाई गई। उसको डिस्ट्राय कर दिया गया लेकिन अभी तक जिनके केस चल रहे है वह भाराब गोदामो के अन्दर और रैस्ट हाउस के अन्दर पडी है। जहां तक यह सवाल है कि

भाराब की कितनी बोतले पकडी गई उसकी फिगर्ज मैने सदन की टेबल पर रख दी है। उनको आप जोडकर देख सकते है।

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय मंत्री जी को एक सलाह देना चाहूंगा कि भाराब को जलाकर डिस्ट्राय करके नुकसान की बजाय उसको दिल्ली, राजस्थान या किसी दूसरी स्टेट को बेच दियाजाए ताकि हमारी स्टेट को कुछ आमदनी हो सके।

श्री गणे ी लालः मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगा कि इनका यह प्र न इस बैंच से भाोभा नही देता बल्कि उस बैंच से भाोभा देता है।

Diggint of Harwa Gangoli Drain

***418. Sh. Ram Phal Kundu:**Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the work of digging of Harwa Gangoli Drain from village Gangoli to Morkhi is likely to be startes/completed?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Harwa Gangoli Drain is being surveyed for desilting. The drain is likely to be desilted before 30-6-97.

श्री रामफल कुण्डुः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी के ध्यान मे यह बात लाना चाहता हूं कि हावडा गांगोली लिंक ड्रेन पडाना ड्रेन में जा कर मिलती है लेकिन पडाना ड्रेन मे मिलने से

पहले गांगोली और उन गावों के एरिया के पास जो खरक, गागर एवं हावडा गांव लगते है वहां पर गांगोली और उन गावों के एरिया केबीच में उसकी खुदाई नही की गई। उस ड्रेन का हिस्सा वहां पर ऊंचा है। उसकी वहां से खुदाई न करने के कारण पानी पीछे रुका रहता है। मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस नहर की पिछले साल गाद निकालने पर कितना पैसा खर्च किया गया था।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल का रिकार्ड तो इस समय मेरे पास नही है कि उस ड्रेन की गाद निकालने पर कितना पैसा खर्च किया गया। हम उसकी खुदाई कराएंगे ताकि जो पानी उल्टा बहता है वह आगे जाए। हम 30 जुन से पहले इस काम को करा देंगे।

श्री रामफल कुण्डुः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी के ध्यान मे यह बात लाना चाहता हूं कि उस ड्रेन के बारे में रिटन में भी दियाथा और महकमे वालो से रिक्वैस्ट भी की थी कि आप इस ड्रेन की खुदाई करा दें ताकि पानी आगे जा सके लेकिन महकमे वाले कहते है कि अगर खुदाई करा दे ंतो इसका लेवल पडाना ड्रेन के साथ नही मिलता है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय उसका लेवल मिलाने के लिए उसकी डिसिल्टिंग और खुदाई की जाएगी। अगर वहां पर और ज्यादा गडबड मिलेगी तो हम उसको भी ठीक कराएंगे। 30

जून से पहले उस ड्रेन के पानी को आगे चलाने का काम कम्पलीट हो जाएगा।

Closure and Setting up of Industrial Units

***391. Sh. Jai Singh Rana:** Will the minister for Industries be pleased to state the number of Industial units that have been set up and closed separately, during the year 1996-97 in the district of Kurukshetra and Karnal?

उद्योग मंत्री (श्री भाि ा पाल मेहता): दिनांक 28–2–97 तक की सूचना निम्नानुसार है:–

	स्थापित इकाईयां	बन्द इकाईयां
कुरुक्षेत्र	196	2
करनाल	324	13

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो इकाईयां बंद हुई है उनके बंद होने के क्या कारण है?

श्री भाि ा पाल मेहता: अध्यक्ष महोदय, इन इकाइयों के बंद होने के अनेक कारण है। कहीं पर तो कच्चे माल की कमी है, कहीं पर फाइनैंस की कमी है, कही ंपर भागीदारी की कमी है और कही पर मजदूरो की समस्या है। इन कारणो से ये इकाइयो बंद है। सरकार की वजह से इनको कोई तकलीफ नही है। सरकार तो हर तरह से इनको चलवाने के लिए तैयार रहती है।

तारांकित प्र न संख्या 395

(यह सवाल पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री रामजी लाल सदन में उपस्थित नही थे)

Panipat By-Pass

***406. Sh. Om Parkash Jain:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a By-Pass in Panipat; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed?

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav):

(a) Proposal for construction a by-pass at Panipat was referred to Ministry of Surface Transport, Government of India but it has not been accepted so far.

(b) As the scheme is nt yet sanction, no time frame for its completion can be given.

श्री औम प्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने जो पानीपत में वाई पास बनाना था, वह अभी तक नही बन पाया है क्योंकि उसमें पिछली सरकार के चहेतो की बिल्डिंग बीच में आ रही थी। वहां पर नै ानल हाई वे होने से ट्रैफिक का काफी लोड

है। क्यां मंत्री जी बताएंगे कि उस बाई पास को कब तक बना दिया जायेगा? साथ ही मै यह भी जानना चाहता हूं कि जब तक बाई पास नही बन जाता तब तक सर्विस लेन कब तक बना दी जायेगी?

श्री धर्मबीर यादवः इस पर विचार किया जायेगा।

श्री राज कुमार सैनीः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी की जानकारी में लाना चाहता हूं कि जब पंचकूला से यमुनानगर बाया भाहजादपुर व सढौरा जाते है तो उस सडक पर रास्ते में एक पुल बनाया जाना बाकी रहता है। यदि वह बना दिया जाये तो वहां का 20 किलोमीटर का फासला कम हो सकता है। क्या मंत्री जी इस पुल को बनाये जाने पर कोई रो ानी डालने की कृपा करेंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै अपने साथी को बताना चाहूंगा कि अभी तक इस तरह का कोई एस्टिमेट पास नही हुआ है लेकिन यह मामला विचाराधीन है।

श्री जगदी ा नैययरः अध्यक्ष महोदय पिछली सरकार की मरम्मत की जायेगी चाहे वह किसी की भी हो। यदि कोई खास सडक इनके नोटिस में हो तेा हमें बता दें।

श्री कपूर चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, भाहबाद भाहर ने ानल हाईवे पर पडता है। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि भााहबाद से बराडा की जो 18 किलोमीटर लम्बी सउक है, वह पिछे बाढ के दौरान टूट गई थी। मै मंत्री जी से जानना

चाहता हूं कि इस सडक को कब तक ठीक करने का इनका विचार है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, ने ानल हाईवे को ठीक रखना इस सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। हमारी सैकिण्ड प्रायरिटी फल्ड में जो सडके टूटी गई थी, उनकी रिपेयर की है चाहे वे किसी भी क्षेत्र की है और किसी भी दल से संबंध रखने वाले विधायक की है, जैसे जैसे पैसे मिलते जायेंगे, हम इनकी रिपेयर करते जायेंगें।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी की जानकारी में लाना चाहूंगा कि सांपला बाई पास रोड पर जहां बसें रुकती है, वहां पर यात्रियो के बैठने के लिए कोई भौड नही है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह भौड कब तक बना दिया जायेगा?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, यह प्र न परिवहन विभाग से संबंध रखता है। इस प्र न का भवन तथा सडक निर्माण विभाग से कोई मतलब नही है।

Repair of Roads in the State

***400. Sh. Ram Pal Majra:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state the amount spent on the repair of roads in the state during the year 1996-97?

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav): Sir, I would like to give the details of expenditure incurred on the repairs of roads during 1996-97.

Break up of expenditure on repair of roads during 1996-7.

1. Out of budget allocation of the State:

(a) For repairs like patch work, repair of berms, repair of bridges & culverts etc. on State Highways/Major Distt. Roads.	18.46 Crore
(b) For providing renewal coat on a length of 1303 Kms.	16-82 crore
2. Out of funds provided by Marketing Board:	
(a) For repairs like patch work, repair of berms, repair of bridges & culverts etc. on Link roads.	5.31 crore
(b) For providing renewal coat on a length of 97 Kms.	2-01 crore
Total	Rs. 46-45 crore

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी हर सवाल का जवाब लगभग यही देते है कि पैच वर्क का काम कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, गढढे जो पडे हुए होते है उनमें कुछ मिटटी आदि डाल कर आपके हल्के में तो उन पर पत्ते डाल देते है लेकिन हमारे हल्के में तो वह भी नही डालते उसकी

जगह पर पराली डाल देते है। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहता हूं कि जो पैच वर्क का कार्य किया जाता है क्या वह पैच वर्क के नार्म्ज के अनुसार करवाने के बारे में सरकार विचार करेगी?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जितना भी पैच वर्क किया जाता है वह निर्धारित नार्म्ज़ के मुताबिक ही किया जाता है। ऐसा नही है कि मिटटी डाल कर उसको छोड देते है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, जितनी भी सडको की मरम्मत की गई है या नई बनाई गई है क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि ये सारी की सारी सडके किस किस जिले में और किस किस हल्के में पडती है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इस सवाल के लिए यह अलग से प्र न दे तो उसका जवाब दे दिया जाएगां।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि बहादुरगढ से सोनीपत जाने के लिए मुख्यतः दो मार्ग है एक तो वाया नाहरा–नाहरी और दूसरा असोधा से हो कर है। इन दोनो ही मार्गो पर सिंगल रोड है। क्या माननीय मंत्री जी इन सडको को चोडा करवाए जाने बारे कोई आ वासन देंगे? दूसरा मेरा सवाल है कि जसोर खेडी का जो पुल टूटा हुआ है

जिसका मैटीरियल भी वहां पर आया हुआ है तो मंत्री महोदय, यह बताने की कृपा करें कि यह पुल कब तक बनवा देंगे?

श्री धर्मबीर यादव: अध्यक्ष महोदय मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस बारे लिखित रुप से प्रस्ताव भेजे। तब उसके खर्च की असैसमैंट की जाएगी और उसके बाद उस पर भीघ्र कार्यवाही की जाएगी।

Deaths due to Unknown Diesease

***422. Sh Mani Ram:** Will the Minister for Health be pleased to state the number of deaths, if any, that occurred due to Malaria/Jaundice/unknown disease in village Dhotar, district Sirsa, together with steps taken or proposed to be taken to prevent/control the said disease?

स्वास्थय मंत्री (श्री औम प्रका ा महाजन): पीलियर 'बी' (हैपाटाईटस 'बी') से गांव धौतर में 7 मौते हुई। मलेरिया या किसी अन्य अज्ञात बीमारी से कोई मौत नही हुई। एक स्थाई चिकित्सा टीम गांव धौतर में स्थापित कर दी गई है। अतिरिक्त चिकित्सा तथा पैरा मैडीकल टीम इस क्षेत्र में लगा दी गई है। पीलिया 'बी' (हैपेटाईटस 'बी') का 20 व्यक्तियो को टीकाकरण किया गया है। 1029 रक्त पटिकाएं तैयार की गई। लोगो को स्वास्थय ि ाक्षा दी जा रही है। हरियाणा सरकार अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूर्ण रुप से साजो सामान सहित सुदृढ है।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, 28 तारीख को मै धौतर गांव गया था। वहां पर ग्यारह आदमियो की मौत हुई है। लेकिन माननीय मंत्री महोदय ने यह माना है कि वहां पर केवल 7 मौते हुई है जबकि असल में वहां पर 11 मौते हुई है। अध्यक्ष महोदय मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि वहां पर जो मौते हुई है क्या वह घटिया पानी पीने के कारण हुई है या किसी और कारण से हुई है? इसके साथ ही क्या मंत्री महोदय यह भी बताने की कृपा करेंगे कि जो मौते हुई है उनके परिवार के सदस्यो को एक्स–ग्रे ि ाया की कोई रा ि ा दी गई है या नही और अगर नही दी गई है तो क्या कोई एक्स ग्रे ि ाया देने बारे सरकार विचार करेगी? मरने वाले अधिकतर लोग हरिजन और गरीब पिछडी जाति के परिवारो से है।

श्री औम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय धौतर गांव में हुई मोतो के बारे में मैने कालिंग अटैं ान मो ान के जवाब में डिटेल में बता दिया था। इसके साथ ही मै एक बात और कहना चाहता हूं कि वहां पर केवल 7 ही मौते हुई है। सातवी से आठवी मौत नही हुई है। ये हाउस को मिसलिड कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, आप इन्ही की अध्यक्षता में हाउस की कमेटी बना दे जो कि वहां पर जाकर खुद चैक करे और अगर सातवी की जगह आठवी मौत हुई हो तो हाउस मुझे जो भी सजा देगा मै भुगतने के लिए तैयार हूं। हमारी सरकार मुख्यतः एक ही मुद्दा लेकर चल रही है कि किसा प्रकार से हरियाणा प्रदे ा की जनता की बेहतर

सेवा की जा सकती है। जहां तक एक्स ग्रे ि ा का सवाल है तो विभिन्न जगहो पर कई प्रकार से मौते हो जाती है और हर जगह एक्स ग्रै ि िया देना सम्भव नही है इसलिए सरकार इस बारे फिलहाल कुछ नही कर सकती।

श्री अध्यक्षः अब क्वै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Physical Verification of Afforestation works

***445. Sh. Randeep Singh Surjewala:**Will the Minister of State for Forests be pleased to state whether any enquiry/physical verification in regard to the plantation works carried out by the Forest Department in district Hisar has been conducted by the conservator of Foresta (Department) Panchkula during the year 1995-96, if so, the results thereof, together with the action, if any taken or proposed to be taken thereof?

Minister of State for Forest (Shri Jagdish Yadav): Yes Sir,

A team of officers officials led by Conservator of Forests Develoment was deputed for undertaking the physical verification of plantation works executed y the Territorial and Social Forestry Division in Hisar District in the year 1995-96. Their report claimed that 75 to 85 percent of the works under taken in Hisar District was fictitious and held 89 persons including a Conservator of Forests and to Deputy conservator

of Forests responsible for the mischief. However, the report was alleged to the suffering from malafice, personal prejudice, gross exaggeration, procedural irregularities and biased sampling by executing officers/officials. Even the officers deputed to assist accused the team leader of ignoring their checking reports. Therefore, the Government has ordered that the conclusion of the enquiry may be got verified from a Senior Officer. An officer of the rank of Chief Conservator of Forest has already been deputed for this purpose. Further action in this case will be taken on receipt of the report.

Provision of Pension to the Employees of Kurukshetra University

***447. Shri Ashok Kumar:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce the pension scheme for the employees of Kurukshetra University, Kurukshetra, if so, the time by which the said scheme will be introduced?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): राज्य सरकार ने कुरुक्षेत्र विद्यालय को, वि ववविद्यालय के कर्मचारियो के लिए 1—4—95 से पैं ान योजना लागू करने बारे कुछेक भार्तो पर सहमति दे दी है। इसबारे विधियो को अभी अन्तिम रुप दिया जाना है।

Draining Out Accumulated Flood Water

***373. Shri Virender Pal Ahalawat:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that flood waters have not been draing out so far from the vast areas of Village Gochhi and Seria of District Rohtak; and

(b) if so, whether the aforesaid flood water is likely to be drained out beore the next rainy season?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal):

(a) Yes, only two small pockets of 30 acres and 40 acres are still under flood water with depth varying from "3" to "9".

(b) Yes, since the depth of water is very less so, the dewatering at this stage is not possible. However, the standing water is likely to dry out by 15th April, 1997.

Extension of Khidwali Link Drain

***337. Shri Sri Krishan Hooda:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to extend the Khidwali Link Drain upto 'Agli Patti' and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) No Sir,

(b) The question does not arise.

–घोशणा–

सचिव द्वारा

Mr. Speaker: Now the Secretary will make announcement.

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table of the House a statement showing the Bill which was passed by the Haryana Legislative Assembly during its November Session, 1996 and has since been assented to by the President.

Statement

The Registration (Haryana Amendment) Bill, 1996.

सदन के चार सदस्यो के निलम्बन पर पुनः विचार करने संबंधी मामला उठाना।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, हम जो नये सदस्य यहां पर चुनकर आए है, हमने यह सोचा था कि यहां पर आने के बाद हम लीडर आफ दि हाउस से और प्रो0 राम बिलास भार्मा से जो कि बहुत ही अच्छे पार्लिामैटेरियन है, कुछ सीखेगे। अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र में अगर सत्ता पक्ष में कुछ कमियां हो तो विपक्ष यहां पर उनको उजागर करता है और उसे करना भी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे अपोजी ान के नेता औन लैग खडे हुए थे और मंत्री जी से उनकी बात हो रही थी लीडर आफ दि हाउस से उनका कोई झगडा नही था लेकिन उसवक्त आपने लीडर आफ दि अपोजी ान को सारे सै ान सेनिकाल दिया।

इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के नेता भजन लाल जी को भी सारे सै ान से बाहर निकाल दिया गया। मै मानता हूं कि टोका टोकी होती है, नोंक झोंक होती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे और लीडर आाफ दि हाउस से निवेदन करुंगा कि उनको सदन में वापिस बुला लें। लीडर आफ दी हाउस का जिसप्रकार से पहले रुतबा रहा है कि ये विरोधी पक्ष को सह नही सकते तो ये आज उसको छोडकर के उस चैप्टर को खत्म करें। आपने जो मैम्बर्ज को और लीडर आफ दी अपोजी ान को सदन से पूरी कार्यवाही के लिए बाहर निकाला है उनको वापिस बुला ले। ऐसा करने से हम नौजवानो को भी अच्छी बात सीखने को मिलेगी। धन्यवाद।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मै भी आपसे यही अर्ज करना चाहता हूं। जो मेरे भाई राम पाल माजरा ने कहा है। कल जो कुछ भी यहां पर हुआ उसका हमें बहुत ही अफसोस है। उस वक्त हमें बहुत दुखहुआ। अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कास्टोडियन है, सर्वे सर्वा है। अध्यक्ष महोदय, आपसे पहले यहां जो अध्यक्ष महोदय होते थे, एक बार उनहोने मुझे अपनी कांसटीचुएंसी में एजुके ान से संबंधित पुरस्कार बांटने के लिए बुलाया था। उन्होने मुझसे कहा कि आज मै आप लोगो के सहयोग से सी0 एम0 से भी चार फुट उपर बैठता हू। जब मै सी0 एम0 को बैठने के लिए कहता हूं तो वह बैठ जाता है और जब खडे होने के लिए कहता हूं तो खडा हो जाता है। मै आपसे

रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि हमारे मै से जो अच्दे पार्लियामैटेरियन है अगर वे ही हमारे बीच में न हो तो यह अच्छा नही लगता। चौधरी भजन लाल जी हो या चौटाला साहब हो, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है और खासतौर पर लीडर आफ दी हाउस से भी मेरी रिक्वैसट है कि उनको भी इस बारे में साचना चाहिए क्योंकि आज सारे हरियाणा के लोग इस बारे में बात कर रहे है जो याहं यह हो रहा है। मै आपसे रिकवैस्ट करना चाहता हूं कि कल जो मैम्बर्ज कल आपने सस्पैंड किए हैख उनको भूल कर नया माहौल हमको भाुरु करना चाहिए और जितने भी मैम्बर्ज आपने कल सस्पैंड किए है, उनको हाउस में बुलाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै आपसे एक और रिक्वैस्ट करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी भी मेरी बात पर ध्यान दे कि गुडगांव के अन्दर आज एक दह ातगर्दी का माहौल हो गया है। पता नही आपके नोटिस में यह बात है या नही कि कल भी किसी एक आदमी का वहां पर कत्ल हो गया है और परसौ भी एक आदमी का कत्ल करने की कोि ा ा की गयी। इसके अलावा 15 आदमियो को और ऐसे ही नोटिस मिले है कि अगर उनको दो–दो लाख रुपये नही मिले तो.. .....(विघ्न) मै आपसे रिक्वैस्ट करना चाहता हूं किइस गुंडागर्दी को खत्म करवाएं। आज वहां पर एक दह ात का माहौल फैल गया है।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, आज से एक साल पहले जब प्रदे ा में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी उस समय

जब हमारे नेता इस सदन में बैठकर सरकार को सुझाव दिया करते थे कि सरकार यह नीतियां लागू करे तो सजपा के ये भाई जो सदन में तो अपने आपको समता पार्टी का सदस्य मानते है और सदन के बाहर समाजवादी पार्टी का सदस्य मानते है, कहा करते थे कि हरियाणा विकास पार्टी कांग्रेस पार्टी की बी टीम है। लेकिन कल और परसो यहां पर हुआ, उसको यह सारा सदन ओर हरियाणा के लोग देख रहे है। जब कल माननीय इलाल साहब ने चौधरी भजन लाल जी से झारखंड मुक्ति मोर्च के केस के संबंध में सफाई देने के लिए कहा तो उनहोने बजाय सफाई देने के चौटाला साहब की पैरवी करनी भुरु कर दी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि अब आप ही बताएं कि ए और बी टीम कौन सी है और कौन किस की मदद कर रहा है? आज सारे हरियाणा की जनता जानती है कि ये दोनो एक ही है दोनो ने ही मिलकर चुनाव भी लडा था। दोनो पार्टी रात को एक साथ बात करके सुबह यहां आती है फिर ये उस समय किस मुंह से कहते थे? (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संघू: अध्यक्ष महोदय, यदि जीरो आवर में भी हमें आप बोलने का समय नही देंगे तो फिर हमारे यहां आने का क्या फायदा है?

श्री अध्यक्ष: आपको भी जीरो आवर में बोलने का समय मिलेगा। लेकिन उनको भी तो बोलने का अधिकार है। (विघ्न)

श्री सत नारायणः अध्यक्ष महोदय, आप हमें भी बोलने का समय दें। कल भी आपने सारा समय ट्रैजरी बैंचिज के लोगो को ही दिया।

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, यह रिकार्ड की बात है कि किसको कितना टाईम दिया गया हैं। इसलिए अब आप बैठें।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, आपने सत्ता पक्ष से भी ज्यादा समय विपक्ष को बोलने के लिए दिया है लेकिन विपक्ष ने उस समय का दुरुपयोग ही किया है। जब तक हम इनकी बातो को सुनते रहे तब तक तो ये ठीक रहे और सरकार के ऊपर लांछन लगाते रहे लेकिन जब इनके सुनने की बारी आती है तो ये वाक आउट कर जाते है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मै माननीय जसविन्द्र सिंह जी से एवं उनके साथियो से एक निवेदन करना चाहता हूं कि जीरो आवर में सभी माननीय सदस्यो को बोलने का समान रुप से अधिकार है। इसलिए अब आप बैठें।

श्री बलवनत सिंहः अध्यक्ष महोदय, लेकिन आपको सबकी बातें सुननी चाहिए।

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, आप बैठे। आप और हम सब विपक्ष में ही थे मायना साहब, आप भी बैठ जाइये। मैने पहले ही आपकी पार्टी से श्री रामपाल माजरा को बोलने का मौका दिया है।

श्री बलवंत सिंहः * * * * * * *

श्री अध्यक्षः बलवंत सिंह जी, जो कुछ कह रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, इनकी सुनने की आदत नही है ये हमारी सरकार पर लांछन लगाते रहे और हम अपने कानो में उंगली डाल कर बैठे रहे तब तो ठीक है लेकिन जब सरकार की ओर से जवाब देने का समय आता है तो ये वाक आउट कर जाते है।(ाोर व विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैने दो दिन पहले निवेदन किया था कि जो माननीय सदस्य चेयरमैन साहब की अनुमति के बगैर बोलेगा वह रिकार्ड नही किया जाएगा। (ाोर एवं विघ्न) सत नारायण जी, आप सभी अपनी बात एक मिनट में कहे। बलवंत सिंह जी, आपको इनके बाद बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी से हमारे माननीय साथी श्री सतपाल सांगवान ने जवाब मांगा तो वे जवाब न दे सके। उन्होने सदन को गुमराह किया कि भिवानी में 10 मौते हुई है। उस बारे में जब उनसे नाम पूछे गए, इलाके पूछे गये तो वे दूसरे बातो में सदन को उलझाते रहे, सदन का समय बर्बाद करते रहे लेकिन आज तक उन्होने वेनाम व इलाके नही बताए। किन लोगो ने इलाके बांट रखे है, यह सारे काम विपक्ष के लोग ही करते है। जहां तक श्री औम प्रका ा

चौटाला जी का सवाल है। आपने जो उन्हो यहां से निलम्बत किया है यह बहुत अच्दा काम किया है क्योंकि वह बार बार सदन को गुमराह कर रहे थे। उन्होने सदन को गुमराह करने के लिए मुख्य मंत्री जी के उपर गलत ब्यानबाजी की। मै आपके द्वारा विपक्ष से कहना चाहूंगा ि कइस सदन की कार्यवाही में विपक्ष अच्छु सुझाव दे जिससे हरियाणा प्रदे ा के लोगो का भला हो। विपक्ष का काम यह नही होता कि हर बात में नुक्ताचीनी करे।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत पुरानी परंपरा रही है। आप इस हाउस के कस्टोडियन है। इसलिए हम आपसे नम्र निवेदन करते है कि हाउस के अंदर जब भी विधान सभा का से ान चलता है तो उसमें अपोजी ान का एक बहुत अहम रोल होता है। अपोजि ान अपने हल्के में जनता से जो बाते सुनता है, अगर वह बातें, वह समस्याएं जब सरकार के नोटिस में लाए तो सरकार को उससे भागना नही चाहिए। कुछ कमियां होती है वह बताठ जाती है ताकि सरकार उनका सुधार कर सके। हमारी पार्टी के नेता श्री औम प्रका ा चौटाला, श्री धीर पाल सिंह, श्री रमे ा कुमार खटक और कांग्रेस के चौधरी भजन लाल जी को जो यहां सेनिकाला गया है इससे हाउस में एक अजीब किस्म का सूनापन लगता है। अगर अपोजी ान न हो तो सै ान बुलाने की जरुरत ही नही है। आप कैबिनेट की मीटिंग बुला ले और सब कुछ पास कर लें। इसलिएमेरा आपसे नम्र निवेदन है कि इन चारो को सदन की बाकी अवधि के लिए वापस बुला लिया जाए। मुख्य

मंत्री चौधरी बंसी लाल जी बैठे है उन्हे याद होगा कि जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार होती थी, उस समय यदि वे लोग कर्ण सिंह दलाल के साथ कोई गलत व्यवहार करते थे या उन्हे निकाला जाता था तो हमारी पार्टी उन्हे निकलने नही देती थी। जबकि आज ये हमारे उपर लांछन लगा रहे है। कोई भी सरकार यदि सिद्धांत के खिलाफ कुछ करती है तो हम उन लोगो की रक्षा करेंगे और उनका सहयोग देंगे। मै यह कहना चाहूंगा कि इस प्रकार के जो भाब्द उनकी तरफ से कहे गए है यह अच्दी परम्परा नही है। मै फिर वही भाब्द दोहराते हुए आपसे प्रार्थना करता हूं कि चौधरी औम प्रकाश चौटाला, चौधरी धीरपाल, श्री रमे ा खटक और चौधरी भजन लाल जी को यहां सदन में बुलवाया जाये ताकि इस सदन की परम्परा कायम रहे। गलतियो हो जाती है कोई खास बात तो नही हुई थी। ऐसा भी नही है कि चौधरी बंसी लाल जी के बारे में भी चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने कोई ऐसी बात कही हो। यही मेरा आपसे नम्र निवेदन है।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आपकी रहनुमाई में इस सदन की कार्यवाही पिछले दिनो से बहुत अच्छी प्रकार स`चल रही है। मेरे विपक्ष के भाई जो यहां पर बैठे हुए है एवं प्रैस गैलरी में जो प्रैस के भाई है वे और हरियाणा प्रदे ा की जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है कि आपने हमारे विपक्ष के भाईयो को खुद बोलने का समय दिया। (विध्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, सुनिये (विघ्न) मिस्टर भागीराम जी सुनिये। मेरी सभी सदस्यो से प्रार्थना है कि जो कुछ कहना है वह चेयरमैन साहब को ऐड्रेस करके कहें। वि ोश रुप से भागीराम जी, आप तो बहुत पुराने सदस्य रहे है। आपको तो सुनने की जरुरत नही, आप तो सुनाने वाले है आप बोलते बहुत है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, पहली दफा ऐसा हो रहा है कि यदि हमारे विपक्ष के सदस्य नही भी बोलना चाहते है तो उनको भी आप नाम लेकर बोलने के लिए खडे करते है और आपके कहने के बावजूद भी कई सदस्य बोलना नही चाहते। अध्यक्ष महोदय, भाई रामपाल माजरा ने और आदरणीय गाबा जी ने औम प्रका ा चौटाला और भजन लाल जी को वापस बुलाने के लिए कहा है क्योंकि उनकी गैर मौजुदगी में इनको सदन में उनकी कमी महसूस हो रही है। अध्यक्ष महोदय, हमने बार बार इनसे कहा है कि हम विपक्ष का आदर करते है आदरणीय विपक्षी भाईयो का आदर करते है इनमें से अगर कोई अच्छे सुझााव देना चाहते है तो हमें बताएं हम उन पर गौर करेंगे। लेकिन पिछले दिनो से आप औम प्रका ा चौटाला जी का रवैया देखिये, वे किसा तरह बार बार खडे होकर चेयरमैन साहब पेर ऐ ाप र्ान करते है और किस तरह की कारगुजारी करते है। भजन लाल जी, जो कई बार इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री भी रहे है, अगर आप चेयर से खडे हो जाते हो तब भी भजन लाल जी बैठते नही थे और

बोलते ही रहे। आपके बार बार आग्रेह करने के बाद भी वे अनाप ानाप बोलते रहे। चौधरी भजन लाल जी ने आप पर भी छिंटाक ाी की है। मै आपके माध्यम से भाई रामपाल माजरा और गाबा साहब को बताना चाहता हूं कि अगर चौधरी औम प्रका ा चौटाला और चौधरी भजन लाल जी ठीक बात करते है तो गलत बात करने वाला कौन है? (विघ्न)

Mr. Speaker: No interruptions please.

श्री कर्ण सिंह दलालः आप पहले की कार्यवाही निकलवाईये। जब जब चौधरी औम प्रका ा चौटाला और चौधरी भजन लाल जी बोलने के लिए खडे हुए है तब तक उन्होने कभी कोई सुझाव नही दिये। हमे ाा उल्ट पुल्ट और अनाप भानाप बाते की है। मायना साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि जब चौधरी भजन लाल जी हमें निकलवाया करते थे तो आपकी पार्टी के लोग बचाव के लिए आया करते थे। अध्यक्ष महोदय, आपने स्वयं यह बात देखी थी कि हमारी पार्टी के नेता ओर आज के मुख्य मंत्री उन दिनो जब बोलने के लिए खडे होते थे तो कभी उन्हे बोलने नही दिया। उन्होने हमे ाा ही उस समय की सरकार को अच्छे अच्छे सुझाव दिये जो इस प्रदे ा के हित मे होते थे। चौधरी बंसी लाल जी जब भी बोलने के लिए खडे होते थे ठीक बात बोलते थे। मै भी जब खडा होता था तो ठीक बात करता था। लेकिन चौधरी भजन लाल जी जानबुझकर हमें तंग करने के लिए गलत तरीके से सदन से निकाला करते थे। यह सदन भी इस बात का

गवाह हे कि हमें न सिर्फ सदन से ही बाहर निकाला गया बल्कि हमारा अपमान भी किया गया। लेकिन कल जब वे सदन की कार्यवाही में विघ्न डाल रहे थे तथा अनाप भानाप बाते कह रहे थे। (ाोर) उसके बावजूद भी चौधरी भजन लाल यहां गैलरी में बैठकर बडे आराम से अखबार पढ रहे थे तथा सदस्यो के साथ बातचीत कर रहे थे। उन दिनो की आपको याद आनी चाहिए जब हमें सदन से निकाल दिया था और विधान सभा के गेट के बाहर पुलिस वाले खडे कर दिये थे। जिन्होने हमें विधान सभा में दाखिल होने की इजाजत नही दी थी तथा हमारा अपमान किया था। (ाोर)

सदस्य का नाम लेना

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, हम पुलिस से डरने वाले नही है। *** *** ***

श्री अध्यक्षः श्री कृश्ण लाल जी जो भी कह रहे है, कुछ भी रिकार्ड न किया जाए।

(Despite the warning by the Chair, Shri Krishna Lal continued to speak and he did not resume his seat.)

Mr. Speaker: I name Shri Krishan Lal. He may please leave the House.

वाक आउट

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जब आप हमें बोलने ही नही देते है तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय समता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

सदन के चार सदस्यो के निलम्बन पर पुनर्विचार करने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप देख ही रहे है कि ये लो सदन की गरिमा का कितना सम्मान करते है? जब ये बोल रहे थे तो हमने इनकी बात को पूरे गौर से सुना, हमने बीच में कोई टोका टोकी नही की। लेकिन इनके नेता भी यही काम करते है और अपने सदस्यो को भी ऐसा करने के लिए सिखाते है। अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा बार बार इनको बोलने का मौका दिए जाने के बावजुद भी इन लोगो का यह व्यवहार है। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे अनुरोध करुंगा कि जो कार्यवाही सदन में की गई है वह बिल्कुल उचित कार्यवाही है और इसको वापिस लेना बिलकुल उचित नही है। (थंपिंग)

श्री अध्यक्षः मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हरियाणा विधान सभा का रिकार्ड है कि डिमांडज पर बोलने के लिए कल जितना समय दिया गया है, इतना समय विपक्ष को बोलने के लिए 1966 से 1997 तक कभी भी नही दिया गया।

(थंपिंग) कांग्रेस पार्टी के 12 सदस्य कल डिमांडज पर बोले। उन्होने 130मिनट बोले का सम नही दिया जात तो सही बात नही है। मै कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्यो से पूछना चाहूंगा कि आप अपने समय में विपक्ष के सदस्यो को बोलने के लिए कितना समय दिया करते थे। समता पार्टी के केवल दो माननीय सदस्य बोले और उनहोने 25 मिनट का समय लिया। इंडिपैंडेंट माननीय सदस्यो ने 57 मिनट बोलने का समय लिया। एच0 बी0 पी0 का एक माननीय सदस्य केवल 14 मिनट बोला। टोटल 226 मिनट में से कांग्रेस पार्टी के सदस्य 130 मिनट बोले, 25 मिनट समता पार्टी के सदस्य बोलने फिर भी यदि इनकी तरफ से यह लांछन लगाया जाए कि इनको बोलने का समय नही दिया जाता तो ठीक नही है। अगर आप यह चाहते है कि आप गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर कितना समय बोले और बजट पर कितना समय बोले तो गाबा साहब मै वह समय भी बता सकता हू।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): मेरे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्य तो ऐसे कर रहे है जैसे स्पायल्ड चाइल्ड करता है। बच्चे को कहे कि 5 रुपये ले लो तो वह कहेगा 10 रुपये लुंगा, उसको 10 रुपये देंगे तो वह कहेगा मै 20 लूंगा और 20 रुपये देंगे तो कहेगा मै 25 लूंगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय मंत्री जी ने जो बात कही है वह एक्सपंज होनी चाहिए।

Mr. Speakr: Please take your seat.

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 20th March, 1997.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 30 of the Rules of procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly by suspended and Government business be transacted on Thursday, the 20th March, 1997.

श्री धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, रुल 30 के तहत कल के नान औफि ायल डे को औफि ायल डे में कनवर्ट करने के लिए मो ान आई है यह ठीक है कि कल के नान औफि ायल डे को आप औफि ायल डे में कनवर्ट कर दें लेकिन मै केवल यही जानना चाहता हूं कि क्या सै ान कल ही खत्म हो जाएगा या 21 तारीख तक चलेगा?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, सै ान 21 तारीख तक बकायदा चलेगा और अगर आप कहे तो हम सै ान

आगे भी चला लेंगे। कल के नान–औफि ियल डे को औफि ियल डे में कनवर्ट करने के बारे मे फैसला बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मिटिंग में हो चुका था। उस मीटिंग में चौधरी भजन लाल और औम प्रका ा चौटाला भााामिल थे।

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 30 of the rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, he 20th March, 1997.

The motion was carried.

समितियो की रिपोर्टस पे ा करना

(i) पब्लिक अकाउंटस कमेटी की 43वी ंरिपोर्ट

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Shri Ram Bhajan Aggarwal, Chairman, Committee on Public Accounts will present the Forty Third report of the Committee on Public Accounts for the year 1996-97, on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1992-93.

Chairman, Committee on Public Accounts (Shri Ram Bhajan Aggarwal): Sir, I beg to present the Forty Third Report of the Committee on Public Accounts for the year 1996-97, on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1992-93.

(ii) सबोर्डिनेट लैजिसले ान कमेटी की 28वी ंरिपोर्ट

Mr. Speaker: Now Shri Ram Bhajan Aggarwal, Chariman, Committee on Subordinate Legislation will present the Twenty Eighth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 1996-97.

Chairman, Committee on Subordinate Legislation (Shri Ram Bhajan Aggarwal): Sir, I beg to present the Twenty Eighth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 1996-97.

(iii) पब्लिक अंडरटेकिंग्ज कमेटी की 41वी ंरिपोर्ट

Mr. Speaker Now Shri Satpal Sangwa, Chairman Committee on Public Undertakings will present the Forty First Report of the Committee on Public Undertakings for the year 1996-97 on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1992-93 (Commercial).

Chairman, Committee on Public Undertakings (Shri Satpal Sangwan): Sir, I beg to present the Forty First Report of the Committee on Public Undertakings for the year 1996-97 on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1992-93 (Commercial).

बिल्ज–

(i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 1997

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No 1) Bill. He will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No 1) Bill, 1997.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No 1) Bill be taken into consideration at once.

श्री धर्मबीर गाबा (गुडगांव): स्पीकर साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस बिल पर बोलने का समय दिया। मैने जीरो आवर में भी बोलने की कोि ा ा की थी लेकिन आपने समय देना ठीक नही समझा होगा। मेरी इससरकार से आपके माध्यम से मोहतबाना गुजारि ा इस एप्रोप्रिएान बिल के जरिये है कि आज हमारे यहा पर ला एण्ड आर्डर की स्थिती उतनी अच्छी नही है जितनी अच्छी यहां पर बताई जा रही है जितना नारा लगाया जाता है। मै आपसे अर्ज करना चाहता हूं और होम मिनिस्टर से भी अर्ज करना चाहता हूं कि आज पुलिस के पास गाडियो की काफी कमी है। आप देखिये कि यदि किसी थाने में 13–4 सिपाही हो और उस थाने के तहत 200 गांव आते हो तो वे सुरक्षा कैसे कर पाएंगे? इन 13–14 सिपाहिो में से एक सिपाही तो कोर्ट मे जाता रहता है एक दो संतरी लिखने में बैठे रहे और एक जीप चलाता हो तो वे क्या सुरक्षा कर पाएंगे? स्पीकर साहब, 14 तारीख को सै ान के बाद जब हम गुडगांव पहुंचं तो वहां पर 15

तारीख को एक फैक्ट्री के मालिक को जबर्दती जीप मे डालने की कोि ा ा की गई। उस पर गोली चलाई गई। भगवान की कृपा से उसे गोली नही लगी। फिर उस पर तलवार से हमला किया गया। उसके बाद उस पर एक गोली और चलाई गई उसको मारने की कोि ा ा की गई और उसकी कार को रोकने की कोि ा ा की गई। उसके बाद तीसरी गोली फिर चलाई गई। दे ाी रिवाल्वर से गोली चलाई गई थी, वह किसी तरह से बच गया। अध्यक्ष महोदय, कल की घटना के बारे में भी मै आपको बताना चाहता हूं। कल जब विधान सभा को सै ान खत्म होने के बाद मै अपने कमरे मे पहुंचा तो मुझे एक टेलीफोन मिला थ्क एक डैलीगे ान मुख्यमंत्री जी से मिलना चाहता है। एक फैक्टरी के मालिक संजीव मलिक नई फैक्टरी के लिए कर्जा मंजूर हुआ था, वह कर्जा मंजूर होने के बाद मंदिर में प्रसाद चढाने के लिए जाता है कि उसकी फैक्टरी ठीक चले लेकिन बाद मे वह अपनी कार मै मुर्दा पाया जाता है उसे गोली मार कर खत्म कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से वहां पर 15 और इण्डस्ट्रीज़ के मालिको को टैलीफोन आए है कि दिल्ली में डिलाईट सिनेमा के पास 2–2 लाख रुपये लेकर पहुंच जाए नही तो तुम्हारा भी वही हाल होगा जो संजीव मलिक का हुआ है। क्या आप सोच सकते हैकि ऐसी हालत में इंडस्ट्रीयलिस्ट के अन्दर अमनो चैन कायम रह पायेगा, वे हिफाजत से रह पायेंगे? स्पीकर साहब, जो बात मै कहने जा रहा हू वह भाायद कुछ भाईयो को अच्दी न लगे। मै कहना चाहता हूं कि 1991–95 के दौरान मैने गुडगांव हल्के की

नुमाइन्दगी की है। मै दावे के साथ कहता हूं कि इन 5 सालो में अगर एक इन्स्टांस भी ऐसा हुआ हो, जैसा अब हो रहा है, तो आप बता दे या इण्डस्ट्रीज मे कोई डिसप्यूट हुआ हो या किसी इण्डस्ट्रीलिस्ट को कत्ल करने की धमकी दी गई हो। इन 8–9 महीनो के अन्दर क्या हालत हुई है वह आप देख लें।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय साथी गाबा साहब यह बता रहे थे कि गुडगांव में पिछली सरकार के समय कोई ऐसी बात नही हुई है। अध्यक्ष महोदय मै गुडगांव की बात इनको बताना चाहूंगा। (विघ्न) जो बात इन्होने कही है मै उसका उतर देने के लिए खडा हुआ हू। गाबा साहब कह रहे है कि इनके राज में 1991 से 1995 तक गुडगांव में कोई धांधली या गलत काम नही हुआ है। लेकिन मै यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि इन्होने स्वयं भले ही कोई गलत काम न किया हो लेकिन इनकी सरकार के मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल, उनके परिवार के सदस्य ओर रि तेदारी के लोगो ने कोई ऐसी जगह नही छोडी जहां पर उनहोने जबरदस्ती कब्जे न किये हो। लोगो को डरा धमका कर जबरदस्ती गुण्डागर्दी के बल पर जमीनो पर जबरदस्ती कब्जे करवाए गए। इनके मुख्य मंत्री और उनके परिवार के लोग हर प्रकार का गलत काम करते रहे है और यह बात इनको मान लेनी चाहिए।

श्री धर्मबीर गाबा: अध्यक्ष महोदय मै यह कह रहा था कि वहां पर कोई इंडस्ट्रियल डिस्पयूट उस अरसे में नही हुआ है।

किसी भी इण्डस्टरी या फैक्टरी के मालिक को कोई धमकी कभी नही दी गई, किसी को कत्ल करने की धमकी नही दी गई। मैने किसी जमीन के झगडे होने के बारे में या और कोई ऐसी बात होने की बात नही कही है। अध्यक्ष महोदय, मै सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि जिस प्रकार के आतंक और दह ात का माहौल आज गुडगांव में है अगर यही हालात जारी रहे तो इण्डस्ट्रियल डिवैल्पमैंट नोएडा की तरह गुडगांव में बिल्कुल बन्द हो जाएगी और वहां पर उद्योग धन्धे ठप्प हो जाएंगे। सरकार इसका कोई सोल्यु ान निकाले और वहां पर ला एण्ड आर्डर को कायम रखे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से एक अर्ज करना चाहता हूं कि इण्डस्टरीज की सुरक्षा के अलावा भी फलोर आफ दि हाउस सरकार जो भी आ वासन दे उसे पूरो करने का प्रयत्न करे। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मै प्रार्थना करना चाहूंगा कि ला एण्ड आर्डर की बिगडती हुई हालत को सम्भालिए। मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि किसी के खिलाफ धारा 200 लगाद दी या किसी के खिलाफ 151 या 107 का केस बना कर उसे परे ाान किया जाता है। यह नही होना चाहिए। आज आप बताईये कि कितने कत्ल के केसिज, कितने ब्राइबरी या डकैती के केसिज़ हुए? क्या किसी का इस बारे में कोई पता लगा? स्पीकर साहब, आप पिछले साल के और इस साल के आंकडे मंगवा कर देख लें। अभी कर्ण सिंह दलाल जी बडे दावे के साथ कह रहे थे कि गुडगांव में कानून व्यवस्था की स्थिती अब बिल्कुल ठीक है ये पिछले साल के और हमारी सरकार

के वक्तके आंकडे मगवा कर देख लें। पिछले महीने 10 लाख रुपये राजेन्द्र नामक व्यक्ति से लूट लिए गए और पंचायत आफिसर को किसी ने सडक पर गोली मार दी। गोली मारने वाले पैदल आए लेकिन फिर भी बच कर निकल गए। इसके बावजूद आज तक कत्ल करने वालो का कोई पता लगा? अध्यक्ष महोदय, एक एडमिनिस्ट्रे ान का हाल है यहां पर दावे के साथ बडे नारे लगाए ग है कि सब कुछ ठीक हो गया है लेकिन वह सोचते हैकि कही ऐसा न हो कि पैसे के लिए उनके बच्चो का अपहरण कर लिया जाए। स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि कानून व्यवस्था की जो बिगडी हुई हालत है इसको सुधारने की बहुत ज्यादा जरुरत है। अध्यक्ष महोदय, एक ओर तो एडमिनिस्ट्रे ान द्वारा एफ0 आई0 आर0 लोज करवा दी जाती है कि साईट सलैक ान गलत है लेकिन दूसरी ओर टी0 ओ0 उसे पास कर देता है,क्या यह कोई एडमिनिस्टरे ान है? इस बारे वर्तमान सरकार को सोचना है कि इसमें कैसे सुधार किया जा सकता है और इस स्थिती को बदलने के लिए क्या किया जा सकता है। इस प्रकार की बातो के लिए जब हम लोग कहते है कि यह ठीक नही है तो हमें दबा दिया जाता है, हमें बोलने नही दिया जाता या कहा जाता है कि हाउसको मिसलिड कर रहे है, हाउस में गलत बात कह रहे है। अध्यक्ष महोदय, प्रो0 गणे ाी लाल जी हमारे बहुत ही काबिल वजीर है। मै एक बात उनके नोटिस में लाना चाहूंगा कि फरवरी के महीने में जब डायरैक्टर, फूड एण्ड सप्लाईज डिपार्टमैंटके लोगो ने एक डिपो पर छापा मारा था तो 10 किलोग्राम आटे की थैली

में से 500 ग्राम आटा कम निकला था। उसकी एफ0 आई0 आर0 दर्ज है। डिपो वाला गरीब बहुत रोया कि आटा रात को ही मिल से आया है, इसलिए इसमें मेरा कोई कसूर नही है। लेकिन उसकी एक बात नही सुनी गई। अध्यक्ष महोदय, वे मेरे पास आए। मैने उनसे कहा कि जब आटा मिल से आए तो उसे रोक ले और उन्होने वैसा ही किया। अध्यक्ष महोदय, 1 हजार 10 बोरियो कैबिनो मिल से वहां पर आती है। जब उनको चैक किया गया तो उसमें 998 बोरियो में साढे पांच सौ ग्राम आटा कम मिला। अध्यक्ष महोदय, हमने उस मिल के खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज कराने को कहा, हमने यह भी कहा कि अगर आप एफ0 आई0 आर0 दर्ज नही करेंगे तो हम धरने पर बैठ जाएंगे। एक गरीब आदमी के खिलाफ तो फटाफट एफ0 आई0 आर0 दर्ज कर ली जाती है और पैसे वाले के खिलाफ कुछ नही करा जाता है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि एयर कंडि ान कमरो में बैठकर काम नही चलेगा बल्कि आज जरुरत इस बात की है कि आप ऐसे गलत काम नही होने दें। अध्यक्ष महोदय, आज आम आदमी बहुत मेहनत करता है और उसकी कडी मेहनत की ही पैदावार मिलती है। आज गवर्नमैंट की ऐसी कोई पॉलिसी नही है जिसके तहत आम आदमी को कोई सुख मिला हो या लाभ मिला हो। आज किसानो को उनके गन्ने का पैसा नही मिला है। गुडांव में सडके रिपेयर नही होती है। दलाल साहब, से मै यह कहना चाहूंगा वैसे मैने इस बारे में इनको पहले भी कहा था कि ये ऐसा न कहे कि पिछली सरकार ने यह किया था वह किया ाि। दलाल साहब, अगर पिछली

सरकार ने कुछ गलतियां की थी तो इसका मतलब यह नही कि आप भी उन गलतियो को दोहराए। आपको तो ऐसा कहना चाहिए था और कहना चाहिए कि ये गलतियो हुई है और हम इनको सुधारने के लिएयह काम कर रहे है। अगर आप ऐसा करेंगे तो अच्छी बात होगी। अध्यक्ष महोदय, मै आपको यहां का एक रैफरैंस देता हूं जब एक दिन मै यहां पर बात कर रहा था कि राखी नाम की एक लडकी अपने स्कूल से छुटटी के बाद घर आ रही थी तो उसे रास्ते से कार में उठा लिया गया और आज तक उस लडकी का पता नही चला तब यहीं से एक आवाज आई कि यदि आप अपने समय के सु ीला कांड को भूल गए है। अध्यक्ष महोदय, यदि सु ीला नही मिली तो क्या उसकी आड में हम राखी को भी भुल जाए उसको ढुंढने के लिए कुछ न करे? हमें पिछली गलतियां ठीक करनी चाहिए और अच्छे काम करने चाहिए।

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब अब जो बात बोल रहे है, यह ये पहले भी बोल चुके है। इन्होने बिल पर कोई और सुझाव या सुधार देना हो तो ही बोलें।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): अध्यक्ष महोदय, मैने आपके समक्ष पहले भी अनुरोध किया था और आज भी कहता हूं कि हमारी सरकार ट्रांसपेरेंट और ईमानदार सरकार है। इसके लिए हमें कोई घमंड भी नही है। अध्यक्ष महोदय, according to Dr. Ivor Jennings, the Primary qualification that

demands of a Government is honesty and transparency. अध्यक्ष महोदय, मैने पिछलीबार भी आपके समक्ष यह निवेदन किया ाि कि हमारी सरकार एक ट्रांसपेरेंट सरकार है, ईमानदार सरकार है। हमारा धर्म है, कर्तव्य है। जैसे पंचायत के माध्यम से कम्प्यूटराईजे ान सर्विसिज एस0 एस0 बोर्ड के माध्यम से आप जिसका भी 10 साल के बाद रिकार्ड चाहे चैक कर सकते है। यह सरकार सबकी सहमति के आधार पर चलती है। गाबा साहब ने जैसे कि अभी कहा कि डी0 एफ0 एस0 सी0 और डिपो के अंदर ि ाकायत आई है कि फलानी मिल से जो आटा आता है वह बर्थ इटिंग नही है, वर्थ कंज्यूमिंग नही है और वह सेहत के लिए खराब है। लेकिन इनकी तरफ से मेरे नोटिस मे ऐसी कोई ि ाकायत नही आई है और न ही इन्होने हमें लिखकर दिया है। अगर ऐसी जानकारी जो ये कह रहे हैमेरे नोटिस में होती तो हम जरुर वहां रेडज मारते। हमने 5080 रेडज की है उनमें से 35 लोगो को पिनालाईज भी किया है। बकायदा उसका एक सिस्टम है। जिस प्रकार से यह सरकार ट्रांसपेरेंट है उसी प्रकार से ओपन मार्किट सेल्ज सकीम के अन्तर्गत जो आटा आ रहा है उसे 19—12—1996 के प चात स्टेट गवर्नमैंट ने नही बल्कि गवर्नमैंट आफ इंडिया ने ही एफ0 सी0 आइ0 को इंसिस्ट किया था कि जो लोग आपके बैठे है। या जो एक्सपोर्ट कर रहे है, उनके मार्फत इस तरह की नकली कनक लोगो को सप्लाई करके जो ओपन मार्किट सेल्ज स्कीम के अन्तर्गत आटा निकालते है, वह खतरनाक है। 20—12—1996 को जब ओपन मार्किट सेल्ज स्कीम के अंतर्गत

स्टेट गवर्नमैंट को अख्तियार मिला, उसके बाद हमने न केल फेयर प्राईस भाप्स के माध्यम से, डिपोज के माध्यम से आटा सप्लाई किया है बल्कि हमने तुरंत इंस्ट्रक ांज भी दी थी कि वैन के उपर 61 और 64 रुपये के बीच की दस किलो की आटे की थैली रखकर गावो के अंदर कही पर भी किसी भी बस्ती में जाकर उसका वितरण करे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, अगर कही पर कोई माल प्रैक्टिस किसी भी प्रकार की हुई है तो डी0 एफ0 एल0 सी0 को फोन करने का मतलब, डी0 सी को फोन करने का मतलब मुझे यही लगता है * * * * *(विघ्न) मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा गाबा साहब से बडी विनर्मतापूर्वक यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस हाउस के अंदर पिछले दो तीन दिनो से प्रजातंत्र की बातो पर बडी गहमागहमी चल रही है। यह ठीक है कि आप किसी भी बात के बारे में इंफमे ान ला सकते है और उसके बारे में जानकारी लेने का आपका अधिकार है। आप उस बारे में पूछ सकते है। पर Can we afford the luxury to filirt with the sancity of this august House. (Interruptions)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै यह कहना चाहता हूं कि जो काम ये खुद करते है, उसका औरो पर लांछन लगाने से इनकी गलतियो को दूर नही किया जा सकता। अगर आप चाहते है कि ऐप्रोप्रिए ान बिल पर सदन की सहमति हो और सदन में यह पास किया जाए तो सबकी सहमति तो आपको लेनी ही होगी। पिछले तीन दिन से सरकार ने जानबुझकर ऐसेा हालात पैदा किए है, पता नही इनके दिल और

दिमाग में क्या बात है? ये सोच रहे है कि अगर बोटिंग होगी तो पता नही क्या तुफान खडा हो जाएगा?

श्री अध्यक्षः आपका यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है। आप बैठें।

Shri Ganeshi Lal: Mr. Speaker Sir, Mr. Birender Singh is the most learned and interructual member of the House. जिनको सुनकर मै कुछ सीखने का प्रयास करता हूं। बीरेन्द्र सिंह जी, मै आपकी हर बात ध्यान से सुनता हू। पहले भी मैने आपकी हर बात सुनी है। I have listened you very patiently and consciously and regarded each and everything whatever you speak. (Interruptions)

Mr. Speaker: Birender Singh Ji, it is unfortunate that you have lost faith in me but i have full faith in you.

Shri Birender Singh I still have faith in you, Sir,

श्री गणे ी लालः मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत नम्रतापूर्वक केवल यह निवेदन करना चाहता हूं ि कइस हाउस में इनमैच्योर इंफर्मे ान के आधार पर we should not create sensation. हम दो करोड जनता को मैसेज दे रहे है। अध्यक्ष महोदय, हम 90 लोग यहां पर बैठे है और इन 90 लोगो के आप कस्टोडियन है। हम दो करोड जनता की बाते अपने माध्यम से यहां पर कहना चाहते है इसलिए इंफर्मे ान सीक करने का आपको अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर प्रजातंत्र की बातें

गाबा साहब ने भी, मायना साहब ने भी और धीरपाल सिंह जी ने भी जो कि इस समय हाउस में नही है, कही है कि प्रजातंत्र में हमको बोलने का अधिकार मिला हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जहां पर मैने पढा है ओर जहां तक बीरेन्द्र सिंह जी जैसे मोस्ट इंटलैक्चुअल ओर लर्नड मैम्बर है वहां पर ऐसी बाते नही होनी चाहिए। Liberty and equality are the two greatest pillars of democracy. (Interruptions)

बीरेन्द्र सिंह जी, आप मेरी बात एक मिनट के लिए सुन लें। आपका जितना भी भाशण होता है वह संसद के भाशण की तरह होता है। जब आप ि ाक्षा के उपर बोले तो भी आप ंसद के हिसाब से ही बोलें। अध्यक्ष महोदय, मै दो तीन मिनट में ही अपनी बात खत्म करता हू। मै कहना चाहता हूं कि liberty and equality are inversely proportional, according the science and liberty without license and equality without loss of equality are only possible in a system stemmed from dharma, which is the only guarantee for constitutional morality and necessary checks and balances इसलिए जो ये बात करते है, वह ठीक नही है। यह तो हमारा धर्म बनता है, नीयत बनती है। Nobody till today in Haryana and in the country can question the integrity of the leader of the House as well as the Hon'ble chief Minister of Haryana. लेकिन इसके बावजूद भी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी जो हमारे एक मोस्ट लर्नड मैम्ब्र है, ने कहा कि He is a man of steel. He is a developmental oriented man. जबकि गवर्नमैंटअपनी वर्किंग के मामले में पहले ट्रांसपेरेंट है लेकिन अगर इसके बाद भी

कोई कहे तो अध्यक्ष महोदय, जो आपके पीछे खम्बे पर लिखाा हुआ है, वह उसको बता दें। (विघ्न) मान्यवर, अध्यक्ष महोदय, मै बडी विनम्रता पूर्वक अपने सम्मानित सदस्य को बताना चाहता हूं कि he cannot creat sanction. You have avoided untruthfulness, wrong statement delivered from the Opposition benches. You have obliged them to go out of the House just to sve from commiting further sins in the House. Whatever this august house takes the devision, I have nothing to say about that. As far as the things are concerned, you have not taken a wrong decision. That is what I want to say.

Shri Birender singh: Hon'ble Minister is an indirect way is passing adverse remarks/aspersion against chair. Why? Because this is yet to be decided whether the members of Opposition Benches who have staged a walk out was justified or not. What I want to say is that he is not supposed to preach and what are our rights. you are to protect our rights. Sir, if this august house wants that the appropriation bill be passed then it should be with the consentand concurrence of the entire house and if should be passed in a systematic way. i must congtratulate the treasury benches the way they have scuttled the rights of the opposition Members in a systematic way. They have managed that six member should go out of the House. They were named by the Hon'ble Speaker because they created unruly sense and the Speaker had to give his ruling.

Mr. Speaker: It was the decision of the House.

Shri Birender Singh: No, Sir.

Mr. Speaker: The motion was moved and that was carried out.

Shri Birender Singh: It is very clear when you say that it was the sense of the House. If you have got the sense of the House that does not mean majority. unanimously and there is no dissention. So my submission is that if you want healthy democratic discussion and if you talk about equality and rightsof the Legislature as well as two crore citizens of Haryana then the entire Opposition deserves to be heard. They should not go unheard, I want to say that the passing of the Appropriation bill should be in a democratic manner. Sir, I would request you that you must reconsider it. I would like to say that the decision about the naming of the six Hon'ble Members must be reconsidered. Let te Leader of the Opposition come here, Let the entire opposition be heard Let the leader of the Congress Legislature party be heard and then we should pass the appropriation Bill, otherwise it would be the most undemocratic thing.

Shri Ganeshi Lal: Sir, if they talk, it is love affair. If we talk, they call it a conspiracy.

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बहस हो रही हैऔर एक मैम्बर ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बोल रहा है, ला एण्ड आर्डर पर बोल रहा है, पब्लिक हैल्थ पर बोल रहा है लेकिन उसको बीच में रोक कर बीरेन्द्र सिंह जी ने वही कहना भाुरु कर दिया जिसकी बिनाह पर पहले फैसला हो चुका है। जो

कुछ फैसला हाउस ने किया है वह फैसला फाइनल है वह फैसला स्पीकर साहब ने नही किया है।

श्री अध्यक्षः मै चौधरी बीरेन्द्र सिंहजी की इत्तलाह के लिए बताना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी का टाईम इन्होने अकेले ने 120 मिनट लिया है। अगर ये अकेले 120 मिनट बोलेगे तो और सदस्य कैसे बोलेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, जो ऐप्रोप्रिए ान बिल आपके समक्ष यह सरकार लाई है उस पर बोलने के लिए मैखडा हुआ हू। मै वि ोश तौर पर, जो आईटम पावर के मुताबिक मेजर हैड 2801 के तहत यह सरकार यहां पर लाई है, उस पर चर्चा करना चाहूंगा। स्पीकर साहब, बिजली हरियाणा प्रान्त की लाईफ लाइन है चाहे वक कृशि का क्षेत्र हो, चाहे डोमैस्टिक सैक्टर हो, या कमर्ि ायल सैक्टर हो। पिछले नौ महीनो के अन्दर हरियाणा प्रानत में बिजली की अवेलेबिलिटी में बडी भारी कमी आई है और हरियाणा की चहुमुखी प्रगति पर एक प्र न चिन्ह लगा है। आज से नौ महीने पहले जब हरियाणा की जनता ने हविपा–भाजपा गठबंधन सरकार को चुनकर भेजा था तो उस समय एक सबसे बडी बात हरियाणा की जनता के मन में यह थी कि चौधरी बंसी लाल भाायद ऐसे व्यक्ति है कि जो वे बात कहते है वह करके दिखायेंगे। वे कहा करते थे कि अगर मेरी सरकार आई तो बिजली 24 घंटो में से 24 घंटे ही दिला कर दिखाउंगा। इनहोने यह भी कहा था कि किसानो को टयूबवैल के

कनैक ान 24 घंटे के अन्दर दिलवाएंगा। स्पीकर साहब, पूरी बजट स्पीच, ऐप्रोप्रिए ान बिल और बजट की जो ग्रान्टस है उन सबको पढकर सिर्फ एक ही बात प्रतीत होती है चाहे हरियाणा में कृशि का क्षेत्र हो, गांव या भाहर का क्षेत्र हो, सभी को मु कल से 24 घंटे मे से चार घंटे भी बिजली ये मुहैया नही करवा पाये है। इसके साथ साथ इस सरकार ने बिजली के उत्पादन के बारे में कोई नयी स्कीम या कोई नया निर्णय नही लिया है। (विघ्न)

पिछली सरकार ने 6–7 नये प्रोजैक्ट हरियाणा में बिजली की स्थिती सुधारने के लिए भाुरु किये थे। मै उनके बारे में थोडा सा संक्षिप्त मे ंचर्चा करना चाहूंगा। एक गैस वैडस एन0 टी0 पी0 सी0 के साथ 400 मैगावाट का जो फरीदाबाद मे लगाना था उसका पिछली सरकार ने एग्रीमैंट किया था। इसके साथ साथ उडीसा सरकार ने एक हजार मैगावाट का पावर प्रोजैक्ट लगाने के लिए सी0 ई0 पी0 हांगकांग की कम्पनी के साथ एग्रीमैंट किया था उसमें से 500 मैगावाट * * * * * * * * (विघ्न)

Mr. Speaker: Mr. Surjewala, for your kind information.

यह एप्रोप्रिए ान बिल 1996–97 की सप्लीमैंटरी डिमाण्ड का है। क्योंकि आप हाई कोर्ट के एडवोकेट है इसलिए I want to draw your attention that whatever you may speak, you can speak on the supplementary demands for the year 1996-97 only. You are supposed to speak on the appropriation Bill pertaining to supplementary demands for the year 1996-97.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः I would like to tell that all these agreements wereenteredin the year 1996-97, so I am referring to the year 1996-97 only Sir. इस तरह से जैसा कि अध्यक्ष महोदय, मै बता रहा था कि 500 मैगावाट पावर हरियाणा प्रान्त को मिले जो एक हाई स्पीड मैगा पावर प्रोजैक्ट उडीसा सरकार ने सी0 ई0 पी0 ए0 जोकि हांगकांग की कम्पनी हैसे एग्रीमैंट किया था, उसके साथ पिछली सरकार ने, हरियाणा को 500 मैगावाट पावर के लिए हिस्सा किया था। इसी प्रकार से 1200 मैगावाट पावर हरियाणा के लोगो को मिल, इस बात का मैमोरैंडम आफ अन्डरस्टेडिंग एक प्राइवेट फर्म के साथ साईन किया गया था। उसके तहत लिक्विड बैसड पावर स्टे ान लगाया जाना था। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, इस तरह से जो पानीपत थर्मल पावर प्रोजैक्ट की छठी युनिट है, उसको चलाने के लिए भी पिछली सरकार ने फाईनल सुझाव दिये थे। इसी तरह से हिसार में एक हजार मैगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाने के लिए कदम उाया गया था। सिर्फ एम0 ओ0 यू0 साईन होना बाकी था। पिछे चर्चा मै यह भी कहा गया कि मैसर्ज यू0 टी0 आई0 जो कि आइजनबर्ग ग्रुप आफ कंपनीज, ईजराइल की है, उसके साथ पिछली कांग्रेस सरकार ने बगैर मापदंडो को ध्यान मे रखे एक एग्रीमैंट साईन किया था। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मैसर्ज आईजनबर्ग ग्रुप आफकंपनीज ईजराइल एक रिप्यूटिड कम्पनी है जिस ने चीन के अंदर इंडस्टरी सैक्टर में पावर प्रोजैक्टस लगाए है। इसलिए

बगैर किसी जानकारी के सदन के अंदर कोई सूचना देना तथा यह कहना कि यह खिलौने बनाने वाली फैक्टरी है, भाायद उचित नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपकी जानकारी के लिए और रिकार्ड भी ठीक रहे, इसके लिए आपके नोटिस में ला रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, 7 या 8 पावर प्रोजैक्टस पर पिछली कांग्रेस की सरकार ने बिजली की क्षमता को बढाने के लिए जो कार्य भाुरु किया था और जो अलग अलग स्टेजिस पर था, दुर्भाग्य की बात है कि मौजूदा सरकार ने उनको पूरा करने के लिए कोई नया कदम नही उठाया और न ही उन पर कार्य भाुरु किया है। सिर्फ बुरी मं ाा से बार बार अलग अलग पावर प्रोजैक्टस पर अलग अलग बहाने से अलग अलग तरीके से प्र न चिन्ह लगा दिया जाता है। पिछली बार भी जब मै इस सदन में बैठा था तो मैने आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय को यह कहा था कि हरियाणा सरकार ने जो लिक्विड बेस्ड पावर प्लांट लगाने के लिए एग्रीमैंट किया था, उसको सरकार जल्दी से जल्दी लगवाए। लेकिन आज 9 महीने के बाद मै पाता हूं कि यह सरकार केवल इतना ही फैसला कर पाई है कि जो कांग्रेस की सरकार ने 1200 मैगावाट का प्लांट लगाने के लिए बिजली की क्षमता बढाने के उद्दे य से एम0 ओ0 यू0 साईन किया था, वह ठीक था। वित्त मंत्री जी ने अपनी स्पीच में यह माना कि इस प्रकार के प्लांट जिन पर कांग्रेस सरकार ने कार्य भाुरु किया था, वह हम पूरा करवाएंगे। (विघ्न) दलाल साहब, आप सदन में नही थे, इसलिए आप बीच में इंटरप्ट न करे। उपाध्यक्ष महोदय, एक और बडा अहम मुददा है, जो कि बिजली से रिलेटिड

है तथा जिस पर आज की सरकार ने कोई ध्यान नही दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको यह मालूम है कि पिछले 6 महीने के अंदर 3 बार नार्दन ग्रिड में पावर फेल्योर हुआ और उसका नतीजा यह हुआ कि हरियाणा के दक्षिणी भाग जैसे हिसार, सिरसा एवं जींद के इलाको को कई दिन बगैर बिजली के रहना पडा। इसलिएयह जो बिजली की भारी कमी है, वह नार्दन ग्रिड को कंट्रोल न हो पाने के कारण है। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि हरयिाणा मे जो हाईड्रो पावर है, उसका मुख्य सोर्सा भाखडा बांध है। भाखडा बांध के अंदर एक ऐसी घटना हुई लेकिन उसका कोई नोटिस नही लिया गया। इस पर पंजाब तथा हरियाणा सरकारो का हिस्सा हें इन दोनो सरकारो ने आज तक इस घटना का कोई नोटिस नही लिय। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस बात की तरफ जरुर दिलाना चाहूंगा कि भाखडा बांध मे हाई पावर हाउस के 5 जनरेटर है जिनकी क्षमता 132 मैगावाट की है। इस बारे में एक प्रोपोजल मूव किया गया था That in view of the availability of more water, let us increase its capacity to 150 megawatss so that the sharing States can get their larget share of the electricity produced. इसके लिए ड्रांईग और डिजाइनिंग संबंधी कार्यो की प्लेसमैंट हुई और प्लेसमैंट के बाद हर जनरेटर की क्षमता बढाने के लिए 9 माह की अवधि फिक्स कर दी गई लेकिन 9 माह की अवधि में एक जनरेटर को जुलाई, 1995 में बंद कर दिया गया। इसके मुताबिक मार्च, 1996 में उसका कार्य भाुरु होना चाहिए था।

परन्तु 6 महीने की देरी हुई। उसके कारण जो भोयरिंग स्टेटस है उनको प्रतिदिन के हिसाब से 54 करोड रुपये का बिजली की उत्पादन क्षमता का नुकसान हुआ है। मै मंत्री महोदय का खासतौर पर इस बात की तरफ ध्यान दिलाना चाहूंगा कि तब सरकार सोई पडी थी जब हरियाणा प्रान्त बिजली का अपना हिस्सा गंवा रहा था। डिप्टी स्पीकर साहब, एक रि ायन कम्पनी को जिनके पास 135 मैगावाट से 150 मैगावाट बिजली करने का ठेका था, उसके बारे में यह कहा कि ट्रांसफार्मर का साइज छोटा कर देना चाहिए। रि ायन कंपनी को जब ट्रांसफार्मर छोटा करने की प्रोपोजल दी गई तो उन्होने कहा कि इस ट्रांसफार्मर को छोटा करने से इस पर जो युनिट चलेगी वह ठीक नही चलेगी। उनके इस औब्जेक ान के बावजूद उस ट्रांसफार्मर को छोटा कर दिया गया यानि वहां पर छोटे साइज के ट्रांसफार्मर लगा दिया और उसका नतीजा यह हुआ कि वहां पर 132 मैगावाट की बजाय 110 मैगावाट बिजली का उत्पादन कर रहा है। जहां आप करोडो रुपया खर्च करने के बाद 132 से 150 मैगावाट बिजली का उत्पादन करने चले थे उसका नतीजा यह हआ कि 150 मैगावाट की बजाय 110 मैगावाट ही हो गया। सरकार को अपने कानो से रुई निकाल कर दस बारे में फौरन विचार करना चाहिए तथा इस मामले को सुलझाना चाहिए ताकि हरियाणा प्रान्त को बिजली का पूरा हिस्सा मिल सके। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली से ही संबंधित मै एक और बात बताना चाहूंगा। जब भाखडा में ब्यास मैनेजमैंट बोर्ड बना, उस समय हरियाणा प्रान्त बिजली का अपना पूरा हिस्सा ड्रा

नही कर सकता था क्योंकि उस समय आपके बिजली के ट्रांसमि ान सिस्टम की कपैसिटी इतनी नही थी कि हरियाणा प्रानत बिजली का पूरा हिस्सा ले सके। डिप्टी स्पीकर साहब, ट्रांसमि ान सिस्टम की इम्प्रूवमैंट के लिए पिछले 10 साल में जो प्रावधान किया गया है और आज की सरकार ने जिस बात का बीडा उठाया है जिसको हमने वित्त मंत्री जी की बजट स्पीच में पढा है कि हम ट्रांसमि ान सिस्टम को इम्प्रूव करेंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, मै सरकार से यह भी जानना चाहूंगा कि with the improvement of the transmission syste, will the Government also take effective steps, in order to get its share of electricity in the B.B.M.B project because as on date you are not drawing your own share. You are drawing much ess than of your share. डिप्टी स्पीकर साहब, एक बडी गम्भीर बात यह है कि अगर हरियाणा प्रानत को हरियाणा प्रान्त की बिजली का पूरा हिस्सा मिलना भुरु हो जाए तो इस सरकार को पानीपत के थर्मल प्लांट में छठा यूनिट लगाने की जरुरत नही है जिस पर 800 करोड रुपया खर्च होने वाले है।सरकार इस बारे में कारगर कदम उठाए। सरकार नया पैसा लेकर आने लग रही है लेकिन अगर आप उसको इस प्रकार बना ले कि हरियाणा प्रान्त की बिजली का जो हिस्सा है वह कानूनी है, वह जायज है और अगर आप वह सारा ड्रा कर ले तो फिर हरियाणा की बिजली की समस्या काफी हद तक ठीक हो सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बात की भी चर्चा की गई कि हरियाणा के अंदर एक एन्डिपैडैंट पावर रेगुलेटरी अथोरिटी बनाने की प्रपोजल है और हरियाणा प्रानत के अलग अलग जिलो

को जोन में बांट कर उस अथोरिटी की ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम देने की प्रोपोजल है।

श्री मनी राम गोदाराः उनको दोनो सिस्टम नही देंगे, एक ही देंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान दोनो सिस्टम देने का प्रापोजल है। Production to a separate company Transmission and distribution to a separate company.

माननीय मुख्य मंत्री जी जब इन्टरवीन कर रहे थे तो उस समय उन्होने कहा था कि इसके लिए दो अलग अलग कम्पनी बनाएंगे। उनमे एक स्टेच्युटरी कम्पनी भी होगी लेकिन मुख्य मंत्री जी अपनी बात का अच्छी तरह क्लीयर नही कर पाए। इस सरकार की बजट स्पीच पर हाउस में डिस्क ान हुई और उसमें हाउस के नेता के ब्यान से ऐसा प्रतीत होता है और सरकार की यह मं ाा है कि The production of electricity will be handed over to one company which will be statuotiry owned as the same project will be given to the assisted sector which will privately owned. In distribution and transmission, the State would be devided into four zones. In each of the four zones,district will behanded over the syste, which the state would develop. उपाध्यक्ष महोदय, 1966 में जब से हरियाणा बना है तब से हरियाणा की जनता के मौलिक अधिकारो पर यदि कोई प्रहार होगा तो यह इंडिपैंडैंट पावर रेगुलेटरी अथौरिटी का प्रहार होगा।

चौधरी जसवंत सिंह जी, आजइस सदन मे मौजूद है जिन्होने इस बारे में बडा साहसिक कदम उठाया।जब ये सरकार हरियाणा के किसानो, हरियाणा के व्यापारियो और आम आदमी के अधिकारो का एक प्राइवेट कंपनी को बेचने की कोि ा ा कर रही हैतो इस व्यक्तिने किसी बात की परवाह न करते हुए, अपने पद की परवाह न करते हुए ओर पद से मोह न रखते हुए अपने पद से त्याग–पत्र दे दिया ताकि हरियाणा का किसान और आम आदमी जिन्दा रह सके। डिप्टी स्पीकर साहब, मै इस बात के लिए उनकी ताईद करता हू। जितनी उनकी तारीफकी जाय वह कम है। अगर हरियाणा प्रान्त के अन्दर एक इन्डिपैंडैंट पावर अथोरिटी बना दी गयी तो आपका पावर सिस्टम पर कोई कंट्रोल नही रहेगा। फिर कोई भी ऐसा व्यक्ति चाहे वह किसी भी बिरादरी का हो चाहे वह किसी भी वर्ग का हो, उसके रेट फिक् ोसन की जिम्मेवारी आपके पास नही रहेगी। आपके पास हरियाणा के बिजली बोर्ड के सिस्टम का ट्रांसमि ान का, खंबो का, तारो का और ट्रांसफार्मज़ का कोई कन्ट्रोल नही रहेगा। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कियह मै पार्टी के या दलगत राजनीति की वजह से नही कह रहा। सवाल यह है कि हमारी यह जिम्मेवारी है कि हम यहां पर इस सदन में की वजह से नही कर रहा। सवाल यह है कि आज हमारी यह जिम्मेवारी है कि हम यहां पर सदन में बैठकर हरियाणा की जनता को जवाब देह है। आज की सरकार आज का पूरा विपक्ष और आज का प्रत्येक सदस्य, हरियाणा की जनता ने 1966 से लेकर 1996 तक पब्लिक फंड से कई हजार करोड रुपये

लेकर हरियाणा के अन्दर बनाई थी, उसका अब क्या कारण है कि उसको नीलाम करने की नौबत आई? क्या कारण है कि आज सरकार के पास इतनी धनराि ा क्यों नही ि कवह उसको चला सके? क्या ऐसा कारण है कि हरियाणा के लोगो के हक हकूको को आज प्राइवेट आप्रेटरज को हरियाणा की सरकार नीलाम करने पर तुल गई है? बिजली की दरें निर्धारित करने का फैसला आज सरकार के पास है, लेकिन वह अपने हको को खुद किसी एक इन्डीपैंडैंट पावर रैगूलेटरी को क्यों देने लगी है।.....(घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मै कनक्लयूड कर रहा हूं। आप घंटी बीच मे न बजाया करें।

श्री उपाधक्षः आप जल्दी खत्म करे, आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गये है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः डिप्टी स्पीकर साहब, आप मुझे 5 मिनट का समय दे दें। मै जल्दी ही कनकल्यूड कर देता हूं आप बीच में घंटी बजाते है तो मेरी कंस्ट्रे ान टूट जाती है। यह मेरी आपसे हाथ जोडकर दरख्वास्त है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से यह बता रहा था कि सरकार को लोगो के हक हकूको को एक इंडीपैंडैंट पावर रेगुलेटरी अथोरिटी को नही सौंपना चाहिए। यह हरियाणा की जनता के हित में नही है। मै यह एक विपक्ष के सदस्य के तोर पर नही कह रहा हूं बल्कि यह मै इस सदन के सदस्य के तौर पर कह रहा हूं। सदन के हर सदस्य की जिम्मेवारी है कि सरकार की सम्पत्ति जो लोगो द्वारा टैक्स में

दिए गए धन के द्वारा बनाई गई है, किसी प्राइवेट आदमी को मत बेंचें। आप हरियाणा की जनता के साथ ऐसा अन्याय मत करे, नही तो हरियाणा के आम आदमी, हरियाणा के किसान आपको माफ नही करेंगे। इसी प्रकार से 4 जिलो को एक टैस्टिंग ग्राउंड बनाने का जो परपोजल है जिसमें अब भिवानी को भी भाामिल कर लिया है, उसके बारे मे मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि भिवानी हो, महेन्द्रगढ हो, जीन्द हो, हिसार हो यह सब हरियाणा के ही हिस्से है। अगर यह स्कीम आप इतना बढिया समझते है तो इसको पूरे प्रानत में लागू क्यों नही करते? आप टैस्टिंग ग्राउंड 4 जिलो में क्यों बनाना चाहते हो? इसलिए कृपा करके आप हरियाणा की जनता के हक में फैसला करिये, हरियाणा के किसानो के हक मे फैसला कीजिए। आज पूरी सबसिडी किसानो को देने की आपकी स्कीम नही है, पूरी सबसिडी हरियाणा के किसान को देने के लिए यह सरकार सक्षम नही है। सरकार को चाहिए कि वह अपने खर्चो में कमी करके उस पैसे को जनता के विकास पर खर्च करे। इसके लिए जो वजीरो की फोज खडी की हुई है, उसको कम करने की जरुरत है। मुख्य मंत्री जी ने वजीरो की बहुत बडी फौज खडी कर ली है। इतने बडे मंत्री मण्डल से हरियाणा की जनता की भलाई किस प्रकार से हो सकती है, जनता की पूरी बिजली और पानी कैसे मिलेगा? इसका प्रावधान आप बजट में करिये। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात और मै सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा। एप्रोप्रिए ान बिल के अंदर हरिजन और बैक्वर्ड के लोगो के लिए जो पैसे का प्रावधान किया गया है उसके

आंकडे है। आज इन लोगो को सबसे ज्यादा मदद की जरुरत है। इसके लिए बजट मे पैसे का अलग अलग प्रावधान किया गया है। बजट में इनके लिए 27.22 करोड रुपये दिए गए है। इसी प्रकार से हरियाणा हरिजन कल्याण निगम में 35.79 करोड रुपये की रा ि ा दी गई है, आई0 आर0 डी0 पी0 के तहत 7.70 करोड रुपये दिए गए है और इंदिरा आवास योजना के 8.11 करोड रुपये दिए गए है। कुल मिला कर जो रा ि ा हरिजन तथा पिछडे वर्ग के लोगो के कल्याण के लिए रखी गई है वह 87.29 करोड रुपये बनती है। हरियाणा का पूर्ण स्टेट प्लान बजट 1575 करोड का है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप परसैंटेज़ के हिसाब से देखे तो वर्श 1997–98 के बजट में कुल 5.54 करोड रुपये की रा ि ा का प्रावधान इनके उत्थान के लिए रखा गया है। (विघ्न)

डा0 कमला वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि वर्श 1997–98 के बजट के ये जो आंकडे दे रहे है वह डिपार्टमैंट वाईज़ तो इन्होने पढ दिए है लेकिन इस सारे बजट में एडमिनिस्ट्रे ान पर जो खर्च होता है, उसका कोई उल्लेख इन्होने नही किया है। इनको कम्पैरेटिवली आंकडे दे कर अपनी बात कहनी चाहिए।

श्री मनी राम गोदारा: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आनरेबल मैम्बर की जानकारी के लिए मै उनको बताना चाहूंगा कि जो टोटल बजट है वह करीब 1500 करोड रुपये का है। इसमें से 90 करोड रुपये की रा ि ा हरिजनो और

पिछडे वर्गो के लिए रखी गई है। उसको ये सारे बजट से डिवाईड कर रहे है। बाकी और भी बहुत सारी चीजे है और दूसरे खर्च भी आते है, उनको भी ये परसैंटेज के साथ लगाएं और फिर इन सारी फिगर्ज को कम्पेयर करके देखें।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, जब से इस सै ान की कार्यवाही चल रही है आमतौर पर देखा गया है कि ये लोग अपनी बात तो कह लेते है लेकिन जब हमारी अपनी बात कहने की बारी आती है तो ये लोग सदन से वाकआउट करके चले जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला साहब ने जो फिग्र्ज सदन के सामने रखी है, वे हाउस को गुमराह करने वाली है। मै आपके माध्यम से इनको कहूंगा कि ये हाउस को गुमराह करने की कोि ा ा न करें। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मै आपसे और भी कहूंगा कि ये जिन बातो का विरोध करने के लिए खडे हुए है, उनमें से एक बिजली के निजीकरण के बारे में भी इन्होने कही है। हमारी सरकार ने बिजली के सुधारीकरण का काम भ्ाुरु करने का नि चय किया है। लेकिन जहां तक बिजली के निजीकरण की बात है वह तो इनकी पार्टी की हकूमत के समय से ही चली आ रही है। जो भी कान्ट्रैक्टस साईन हुए, वे इनकी पार्टी के राज के समय के ही हुए है। इनकी पार्टी के राज मे जो भी काम होते थे वे गलत तरीके से होते थे और उनमें पैसे का लेन देन होता था। वह बात आज किसी से छुपी नही है। हरियाणा की जनता के साथ जो ज्यादती हुई और जो गलत काम इनकी सरकार के वक्त हुए,

उनको आज तक हरियाणा प्रदे ा की जनता रो रही है। भ्रश्टाचार की जो परम्पराए इन्होने अपने राज में कायम की है वह आज सब को मालूम है इसलिए इनकी अपनी बात को कहने से पहले सोचना चाहिए कि ये क्या कह रहे है।

श्री जसवंत सिंह (नारनौंद): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह जी से कहना चाहूंगा कि यह जो सुरजेवाला जी ने इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी अथौरिटी की बात कही है कि यह सरकार प्राइवेटाइजे ान के लिए कदम उठा रही है, उसके फाउंडे ान स्टोन के बगैर कुद नही होने वाला है। वर्ल्ड बैंक और दूसरे लोग भी इसमें भाामिल है इसमें सैन्टर गवर्नमैंट और हमारी सरकार भी भाामिल है। उन्होने यह भी कहा कि इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी अथोरिटी को बिजली के क्षेत्र मे लाना जरुरी भी भाामिल है। उन्होने यह भी कहा कि इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी अथोरिटी को जिली के क्षेत्र मे लाना जरुरी नही है और यह किसानो, गरीबो और कंज्यूमर के हितो पर सीधा आघात है और प्रजातंत्र की प्रणाली को खत्म करने का सबसे बडा प्रहार है। यह सरकार खुद अपने हाथ कटवाने का प्रयास कर रही है। मै सुरजेवाला जी को बधाई देना चाहूंगा। मै यह इसलिए नही कहता कि उन्होने मेरी तारीफ की है बल्कि मै उनको इसलिए बधाई दे रहा हूं क्योंकि उन्होने इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी अथोरिटी के बारे में सत्य स्थिती स्पश्ट की

है। मुख्य मंत्री जी ने सदन में कहा कि वे इस प्राईवेटाइजे ान के सारे मामले में पुनः विचार करेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाधक्षः आप बैठ जाए। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है। आप तो स्पीच देने लग गए है। (ाोर एवं व्यवधान) जसवंत सिंह जी आप बैठ जाए। अब करतार सिंह जी बोलेंगे।

श्री करतार सिंह (समालखा): उपाध्यक्ष महोदय, सुरजेवालपा जी काफी पढे लिखे है और हम तो अनपढ है लेकिन इन्होने जो बताया कि भाखडा नहर में पानी की जितना हिस्सा हमारा है अगर हम उसको ही पूरी ल`ले तो हमें कही से भी पानी लेने की आव यकता नही है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, आज यहां पर ये बिजली के बारे में बोलते है कि यह सुधारीकरण ठीक नही है। मैने इसी सदन मे इनके मुह से सुना था कि यह सरकार अच्छी है और अच्छा काम करेगी लेकिन आज ये पता नही क्यों ऐसी बात कर रहे है। इन्होने हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी में वि वास दिखाया था और आज ये उनके खिलाफ बात कर रहे है। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)। स्पीकर साहब, ऐसी क्या बात हो गई जो ये इस तरह की बाते कर रहे है। आज हरियाणा की सडके, बिजली और पानी किसने दिया है क्या इस बारे में ये जानते नही है क्या हरियाणा की जनता इस बारे में जानती नही? इस बारे में सब जातनते है कि यह सब कुछ बंसी लाल जी ने दिया है। अध्यक्ष महोदय आज इनके दिमाग में यह

बात आ गई है कि अगर इस सरकार ने अच्दा काम कर दिया और बिजली की प्रोब्लम हल कर दी तो इनके पास बोलने का कोई मुददा नही रहेगा। अगर यह सरकार अच्छे अच्छे काम करती रही तो इनको यहां दोबारा आने का मौका नही मिलेगा। इसलिए यहां पर बार बार बिजली के प्राईवेटाइजे ान पर बोला जा रहा है। स्पीकर साहब, मुझे तो इतना ज्ञान नही है इसलिए हो सकता है कि मै गलत होउ, जैसे पहले बैंक ने ानलाइज किए गए थे। अगर अब कोई आदमी बैंक में जाता है तो उसको वहां पर इज्जत के साथ बैठाया जाता हैं (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी, आप बैठें। आप तो पहले ही 28 मिनट बोल चुके है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, मुझे तो इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, ने बैठा दिया था क्योंकि उस समय मंत्री महोदय इंटरवीन करना चाहते थे।

श्री करतार सिंह भडानाः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारे ये भाई भाराबबंदी की भी बात करते है। सर, मै एक बात और कहना चाहूंगा। हमारे अपोजी ान के भाई बार बार प्रैस गैलरी की तरफ देखते है ताकि इनका नाम भी पेपर में जरुर छप जाए।

श्री अध्यक्षः प्रैस गैलरी वाले तो हम सबके लिए एक समान ही है।

श्री करतार सिंह भडाना: लेकिन ये हमे ाा उधर ही देखते रहते है।

श्री अध्यक्ष: अब सुरजेवाला जी एक मिनट में अपनी बात कंकलूड करे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: धन्यवाद सर, स्पीकर साहब, मै यह चर्चा कर रहा था कि माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि बिजली का जो निजीकरण है या जो पिछली सरकार ने पुराने पावर प्रोजैक्ट लगाने की योजना बनायी थी उसमें कोई त्रुटी थी।

श्री अध्यक्ष: आप कौन से ऐप्रोप्रिए ान पर बोल रहे है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर मै पावर पर बोल रहा हूं। मै उन प्रोजैक्टस की बात कर रहा हूं जिनकी पिछली सरकार के समय लगाने की योजना थी।

श्री अध्यक्ष: यह योजना कब थी?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, पैरा 33 में लिखा थाा—

"That Government has decided to revamp the power sector by mobilizing resources from Private Sector for expension and modernization of power system."

श्री अध्यक्ष: आप जल्दी से कंकलूड करें।

श्री रामबिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर सुरजेवाला जी बार बार कह रहे है लेकिन मैने इनको कल भी एक बात कही थी कि जि इलैक्ट्रिसिटी बिल की ये चच्र कर रहे है, जिस रैगुलेटिरी कमी ान की ये चर्चा कर रहे है This is not the proposal of the present Government. It was the proposal of the previous Government. We have drafted nothing about Electricity Board. यानी हमारी सरकार ने अभी तक भी इलैक्ट्रिसिटी बिल के बारे में कोइ ड्राफट नही किया, कोई प्रपोज नही किया इसलिए इनको इररैलेवैन्ट बाते नही कहनी चाहिए। इररैलेवैन्ट बातो के कोई मायने नही होते है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: कप्तान साहब, आप बैठें।

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय मुझे रणदीप सिंह सुरजेवाला को अपनी बात कहनी है क्योंकि फिर इनहोन चले जाना है, ये तीसरी बार एक ही बात बोले है जिसका मै जवाब देती हूं।

12:00 बजे

श्री अध्यक्ष: सुरजेवाला जी जाने वाले नही है। इस बात का मै आपको आ वासन देता हूं।

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला जी बार बार कहते है कि अनुसूचित जातियो के लिए पैसा बहुत कम रखा गया है। मै इनको

बताना चाहती हूंकि जो भी स्टेट के अंदर बिजली, पानी, सडके, ट्रांसपोर्ट है, उन सबके अंदर उनको हिससा दिया है। मै सुरजेवाला जी से कहना चाहती हूं ि कवे सदन और हरियाणा की जनता को बार बार गुमराह न करे।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा (नारनौल): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै सबसे पहले सुरजेवाला जी को बताना चाहता हूं ि कवे मेरी तरह नये नये विधायक चुन कर आये है। इसलिए भाुरु भाुरु मे तो अच्छी बाते कहे। अगर इन्होने अभी से सदन को गुमराह करना भाुरु कर दिया तो इनका अभी काफी लम्बा समय है। जनता इनका बहुत ध्यान रखेगी। मै माननीय सदस्यो को बताना चाहता हूं कि हरियाणा की जितनी भी समस्याए थी, उन सारी समस्याओ को ध्यान मे रखते हुए बहुत ज्यादा अध्ययन करके एक एक पहलू को छूकर यह बजट पे ा किया गया है। इस बजट में हरियाण के सर्वांगिण विकास की तरफ ध्यान दिया गया है। मै माननीय सदस्यो को बताना चाहता हूं कि जितना बडा कदम इस सरकार ने उठाया है उतना किसी सरकार ने नही उठाया। आप भाराब बंदी को ही ले लिजिए। जिस राज्य में रोजना दो करोड की भााम तक हानि हो तो ऐसा कौन होगा जो इस हानि को सहन करेगी और इस कार्य को करेगा? श्री सुरजेवाला जी ने जो कुछ बताया है वह इनकी सरकार की कारगुजारी थी, क्योंकि बिजली के निजीकरण का मामला 1992 में इनकी सरकार के द्वारा पे ा किया गया था। लेकिन जब उस को सुधारीकरण के नाम से पढते है तो ये उसका

विरोध करते है, जो इनके लिए ठीक नही है। इसके साथ ही सरकार जो बिल पे ा करने जा रही है, मै उसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, सदन मे आदरणीय मुख्यमंत्री नही बैठे है। कल इनसे हमने मिलने की कोि ा ा की थी। हमने उनसे कहा था कि विधायको से संबंधित एक बिल की मंजूरी दी गई हैं, यह बिल हम विधान सभा मे लाएंगें। अध्यक्ष महोदय, मैने आज की बैठक कर सूची में देखा है उसमें उस बिल का जिक नही है इसलिए मेरी प्रार्थना है ि कइस सै ान में वह बिल जरुर लाया जाना चाहिए। हमारे साथ बहुत नाजायज बात हो रही है, बडी ज्यादती हो रही है। एक क्लर्क भी हमारे से ज्यादा तनख्वाह लेता है।

श्री अध्यक्षः आप यह सूचना कहां से लाए है? हमारे पास तो ऐसी कोई सुचना नही है।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय से बात हुई है। उन्होने कहा कि यह बात हाउस में कहना। हम बिल ले आएंगे। अध्यक्ष महोदय, यह बिल लाया जाना अति आव यक है। इस बारे में ट्रेजरी बैंचिज की भी कन्सैंट है और अपोजि ान बैंचिज की भी कन्सैंट है।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप बैठिए। आपकी जेब में क्या है? इस बात का मुझे क्या पता है?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने जो बात कही है, उसके उपर कोई 6 महीने पहले चर्चा हुई थी। मुख्य मंत्री जी सभी दलो के विधायक मिले थे इस तरह की चर्चा तो जरुर हुई थी लेकिन कोई निर्णय नही हुआ था। अब इन्होने यह बात कही है तो इस पर विचार किया जाएगा।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Titble of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(i) दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1997. He will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1997. Sir, I also beg to move that-

The Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

The Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मै इस एप्रोप्रिए ान बिल के बारे में बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप पहले बोल चुके है इसलिए अब दिलू राम जी बोलेंगे।

श्री दिलू रामः स्पीकर साहब, आप पहले इनको बोल लेने दें, मै अपने कागज ठीक कर लूं।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप तो बोल चुके है इसलिए अब सतविन्द्र सिंह जी बोलेंगे।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौंद): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका धन्यवाद। स्पीकर साहब, जब हविपा ओर भाजपा की गठबंधन सरकार ने हरियाणा प्रदे ा के अंदर न ाबंदी लागू की, उसका सभी ने स्वागतकिया था। हमारे हरियाणा प्रानत के लोग यह चाहते थे कि हमारे प्रदे ा में भाराब बंद हो। हरियाणा प्रांत के लोग यह कहते थे कि चौधरी बंसी लाल जी जो कहते है, वह करते है। यह बात ठीक है कि भाराबबंदी लागू करने से सरकार को 600 करोड रुपये का सालाना नुकसान हुआ है लेकिन आज प्रदे ा में भाराब की तस्करी होने के कारण बहुत बुरा हाल है। हमारे प्रदे ा के साथ लगते दूसरे प्रदे ाो की सरकारो ने अखबारो में यह ब्यान दिया हैकि हमारा जो रेवेन्यु बढा है, वह हरियाणा प्रान्त के बार्डर पर ठेके खोलने की वजह से बढा है। हम हरियाणा के बार्डर पर अपने ठेके खोल कर वहां से रेवेन्यू वसूल कर रहे है। हमारे वित्त मंत्री जी का टेलीविजन पर इन्टरव्यु था। उस इन्टरवयू में उन्होने भाराब के बारे मे ंबताया था। स्पीकर साहब, भाराब के बारे में सबसे बडी चिन्ता की बात यह है कि हरियाणा प्रान्त मे जब से भाराब बंदी लागू हुई है, तब से चाहे पुलिस की बात है, चाहे आम

पब्लिक की बात है आज भारीफ आदमी उससे बहुत तंग है। कुछ दिन पहले की बात है हमारे ध्यान में वह बात लाई गई कि एक सरपंच के खेत में किसी आदमी ने भाराब का एक ड्रम रख दिया और उस आदमी ने पुलिस में जा कर इत्तलाह कर दी कि फलां सरपंच के खेत में भाराब निकल रही है। स्पीकर साहब, आज भाराबबंदी लागू करने से हमारे टूरिज्म कम्पलैक्स बंद पडे है उनके अंदर कोई यात्री नही ठहरता। भाराबबंदी लागू होने से नए नए क्राइम हो रहे है और स्कूलो में पढने वाले बच्चे भाराब की होम डिलीवरी कर रहे है जिन्होने इस बारे में कभी सोचा भी नही था। ऐसा क्यों, क्योंकि जो बेरोजगार जवान है, उनके लिए हमारे मुख्य मंत्री जी ने सरकार बनाने से पहले यह वायदा किया था कि हम हरेक बेरोजगार को गैस की एजैंसी देंगे, पैट्रोल पम्प देंगे और परमिट देंगे। जो रेहडू लगाते है उनको भी परमिट दिए जाएंगे। मै पूछना चाहता हूं कि क्या उन नौजवानो को कोई परमिट या कोई एजेसी दी गई है ये रेहडू चलाने वालो को परमिट दिया गया है? आज वे ही बेरोजगार भाराब की तस्करी में भाामिल हो गए है। अब उनको एक तरह से तो रोजगार मिल गया लेकिन यह जो रोजगार है यह क्राइम का रोजगार है। इससे जो नई आने वाली पीढी है जिसको हम सुधारना चाहते है, सुधार नही रहे बल्कि बिगाड रहे है। मै सरकार को यह बताना चाहता हूं कि जो सरकार ने घोशणा की थी की भाराब बंद की जाएगी, जिसका हमने स्वागत भी किया था। मै बताना चाहता हूं कि आज ऐसा कोई गांव नही है जहां पर भाराब की वजह से कांड न हुए हो। इस

बारे में मै ज्यादा न कहते हुए यह कहता हूं कि अगर सरकार इसे ईमानदारी से लागू करना चाहती है तो इसे लागू करे। मै यह भी बात मानने के लिए तैयार हूं कि चौधरी बंसी लाल जी इसे सही अर्थो में बंद करना चाहते है मगर ऐसा अभी नही हो पा रहा है। (विघ्न) वह भी मै बता देता हूं कि मेरे हल्के मुढाल गांव मे दो आदमी किसी के पास आये। उन्होने उसको आकर कहा कि फलां आदमी धमकी दे रहा है, वह भाराब का धंधा कर रहा है, जो भाराब निकालता है। पुलिस वालो को जब यह बात पता लगी तो पुलिस कहने लगी कि उसको पकडवा दो। इस पर वह कहने लगा कि पहले तो जब भाराब निकलती थी तो चांदना हो जाता था, लेकिन अब तो भाराब को निकालने का सिस्टम ही बदल गया है। अब भाराब स्टोव पर कुकर के जरिये निकाली जाती है। अध्यक्ष महोदय, हम भी चाहते है कि भाराब बंदी अव य होनी चाहिए। यू तो आज तक अफीम भी बंद नही हुई और 302 के मर्डर के केस भी हो रहे है। लेकिन मेरा कहना यह है कि इस को सरकार ईमानदारी से लागू करे। अब लोग घरो में भाराब बना रहे हैं उसको रोका जाये। आज बहुत सारे लोग भाराब निकालने का काम कर रहे है।

श्री अध्यक्षः राणा साहब, जो लोग भाराब निकालने का काम कर रहे है, उनके नाम आप बताना नही चाहते तो अकेले में पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर को बता दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय यह बात इनकी समझ मे नही आती कि किसी प्वायंट पर बात करते हुए ये अपनी बात कहते है तो जिस के बारे में यह कह रहे होते है उनका नाम नही बतातें। यह तो इनको नामो का पता नही है या पता है तो बता नही रहे। इनको चाहिए कि यदि नामो का पता है तो सदन में उनका नाम भी बताएं जो भाराब का काम करते है। अगर नाम नही बताना चाहते तो इनका फिर सदन को गुमराह नही करना चाहिए।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः मैने गांव का नाम बताया है। वहां पर एक आदमी की तीन बन्दुके जब्त हुई है। राजौन्द थाने में यह केस दर्ज है और तीन बंदुके बरामद हुई। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः राणा साहब, आपकी बात ठीक है लेकिन हरियाणा सरकार के नोटिस में यह बात आलरेडी है और केस थाने में रजिस्टर्ड है। अगर आप कंसर्ड लोगो के नाम गुप्त रखना चाहते है तो उनहे गुप्त ही रखे और बाद में आप इस बारे में सरकार को या कन्सर्ड मंत्री को उन नामो की जानकारी दे देना।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, अगर ये कहेगे तो मै हाउस में भी उनके नाम बता सकता हूं। ढाथरस गांव के 3–4 आदमी है। (विघ्न) सरपंच के भाई के खेत में ड्रम रखा। सरपंच का नाम बोधराज है और उसके भाई के खेत में ड्रम रखा। (विघ्न एवं भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अभी तक इन्होने कन्सर्ड आदमी का नाम नही बताया है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस बात पर ध्यान दे कि मंत्री महोदय बार बार इन्टरवीन कर रहे है। राणा साहब एक नये सदस्य है उनको वे बार बार इन्टरवीन करके बोलने नही दे रहे है। (विघ्न)

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही चिंता का विशय है। उस भारीफ आदमी के साथ जो हुआ है वह किसी भी भारीफ आदमी के साथ हो सकता है। यह एक गम्भीर समस्या है जिसके बारे मे सोचने की जरुरत है। पुलिस महकमा भारीफ लोगो को परे ाान कर रहा है क्योंकि अब तो उनकी आमदनी एक दम कई गुणा बढ गई है। पहले तो उनको 100–200 रुपये ही मिला करते थे लेकिन अब तो 80–90 हजार रुपये उनको सीधे ही मिल जाते है जिससे वे खुब पैसा कमा रहे है। मेरा निवेदन है कि सरकार को इस बारे में कोई गम्भीर कार्यवाही करनी चाहिए। जो बात मैने कही है वह बिलकुल ठीक है अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हू तथा अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री देवराज दीवान (सोनीपत): अध्यक्ष महोदय, ये लोग कहते है कि आज प्रदे ा में कानून व्यवस्था कुछ नही है लेकिन मै इनकी सरकार के वक्त की बात बताना चाहता हूं। इनके राज में

मंत्री धमकियां दिया करते थे और दूसरे लोगो के खिलाफ केस दर्ज करवाया करते थे, थानो में बुलाकर लोगो को पिटवाया करते थे मै स्वयं उस वक्त कांग्रेस पार्टी में था और वे मंत्री सोनीपत के थे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसी कारण छोटी–छोटी बात पर मंत्री जी से मेरी अनबन रहती थी। उनको यह भी खतरा था कि अगर मै उनके मुकाबले पर आ गया तो फिर मै उन्हे कभी भी विधान सभा में नही आने दूंगा। (विघ्न)

श्री जय सिह राणाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये किस प्रकार की बात कह रहे है। आप इनसे कहे कि ये एप्रोप्रिए ान बिल पर बोले। (विघ्न एवं भाोर)

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, अपनी सरकार के वक्त में इनको कानून व्यवस्था दिखाई नही देती थी लेकिन आज ये लोग कानून व्यवस्था की दुहाई दे रहे है जब कि उस वक्त कानून व्यवस्था कही थी ही नही। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै अपनी बात खुद बताता हूं। सोनीपत मे अपनी कीमत से लोगो को पीने के पानी के लिए मकान के बाहर एक टयूबवैल लगवा दिया लेकिन मंत्री महोदय को वह भी गंवारा नही हुआ। उन्होने अफसरो को आदे ा दे दिया कि उस टयूबवैल को उखडवा दे, नही तो उनको बरखास्त कर देंगे। मुझे भी धमकाया गया कि अपने मकान मे तुम रह नही सकोगें। साथ ही मुझे धमकी भी दी गई। टयूबवैल उखाडने के लिए महकमे के लोगो को भिजवा दिया। उस टयूबवैल को बचाने के लिए हजारो लोग वहां पर इकट्ठे हो गए। यह

टयूबवैल बचा। इस बारे में उस वक्त के मुख्य मंत्री भी जानते है। इस तरह की कानून व्यवस्था पिछली सरकार के वक्त मे थी। पिछली सरकार के वक्त के मंत्री खुद धमकियां दिया करते थे और थाने बुलवाकर आदमियो को मरवाते थे। लेकिन आज हरियाणा में रात के बारह बजे हमारी बहने और बेटियां गहने पहन कर जाती है और हाईवे तक चली जाती है लेकिन किसी की हिम्मत नही होती कि कोई उनका कुछ बोल भी जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके बावजूद भी ये कहे कि हरियाणा में कानून व्यवस्था ठीक नही है तो मै यह कहूंगा कि इससे पहले कानून व्यवस्था ही नही थी। अध्यक्ष महोदय, इक्का दुक्का बात तो हो जाती है। लडाई झगडे होते है, मर्डर हो जाता है या बम्ब विस्फोट हो जाता है। लेकिन जो इनके वक्त में जान बूझकर करवाया जाता था, वह आज नही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सोनीपत में 28–12–96 को दो बम विस्फोट हुए थे। उसमें 11 आदमी जख्मी हो गए थे लेकिन उनमे से तीन तो बहुत ही ज्यादा घायल हुए थे और उनके इलाज पर बहुत ज्यादा खर्च आया था। उस वक्त के डी0 सी0 ने कहा था कि तुम्हे इलाज का पैसा हम देगे। मै मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि उन तीन आदमियो को उनके इलाज का पैसा और कुछ कम्पनसे ान के रुप में दिया जाए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री अकरम खां (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। आज यहां पर कहा जाता है कि हरियाणा मे लॉ एण्ड आर्डर की स्थिती बहुत खराब है जबकि ऐसी बात नही है। हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिती अच्छी है। आज इस सरकार ने जो भाराब बंदी की है उससे हरियाणा सरकार को रैवेन्यू का बहुत नुकसान हुआ है। लेकिन यह जो भाराब में बंदी का कदम इन्होने उठाया है यह बहुत ही सराहनीय है। आज यहां कहा जाता है कि हरियाणा में भाराब बंदी नही हुई है ऐसी बात नही है आज हरियाणा में 80 प्रति ात भाराब बंद है और 20 प्रति ात बंद नही है। यह भी बंद हो जाएगी। वैसे तो अफीम भी यहां पर बंद है लेकिन उसको भी बेचा जाता है। उसी तरह से भाराब भी बहुत बेची जाती है। उसको भी बंद किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ मै कहूंगा कि मेरे हल्के हथनी कुंड बैराज का काम भाुरु हुआ है। वहां पर जिन लोगो की जमीने गवर्नमैंट ने ली है उनको उनकी जमीन के लिए सरकार अच्छा रेट दे और उनके परिवार मे से एक आदमी को नौकरी दे। यहां पर ि ाक्षा मंत्री जी बैठे हुए हैं। मै उनसे यह कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के मे टीचर्ज की काफी कमी है उसको पूरा किया जाए। इसके अलावा मानकपूर मे जी0 बी0 टी0 के लिए एक सैन्टर मंजूर किया गया है और पंचायत ने उसके लिए जमीन भी दे दी है। मै चाहूंगा कि उसको जल्दी से भाुरु किया जाए। अध्यक्ष महोदय, कनेसर से कालका तक हमारी फसलो को जंगली सुअर खराब करते है, जिस कारण फसलो का काफी

नुकसान होता है। उन सुअरो को मारने के लिए सरकार उनको परमिट दे जिसे फसलो का नुकसान होना बंद हो जाए। हमारे इस सारे एरिया में सारी फसले बरसात के पानी पर ही डिपैंड करती है। इसलिए मै माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि हमारा जो पहाडी इलाका है, वहां पर एम0 आई0 सी0 टी0 के टयूबवैल लगवाए जाने चाहिए ताकि किसान इनके पानी से अपनी फसले पैदा कर सके। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके मे जो फोरेस्ट डिपार्टमैंट ने पहले प्लांटे ान करवायी थी तो तकरीबन पिछले 6–7 महीनो से प्लांटे ान करने वाले लोगो की मजदूरी नही दी गयी है। मै मंत्री महोदय से कहूंगा कि वे इस तरफ भी ध्यान दे। छः या सात महीनो की उनकी पेमैंट बकाया पडी है। इसके अलावा मेरे हल्के मे ममदूवास गांव है जो कि हिमाचल के बोर्डर के साथ लगता है उसमे आज तक भी पीने के पानी की लाईन नही पहुंची है और न ही वहां पर कोई सडक जाती है। मै चाहूंगा कि सरकार उनकी ये समस्याएं भी दूर करे। इसके अलावा जैसे मैने कहा कि हथनीकुंड बैराज बनाने के लिए जिन गरीब किसानो की जमीने गयी है उनको सरकार को उनकी जमीनो की पूरी कीमत एवं नौकरी देनी चाहिए। उन गरीब लोगो की बहुत थोडी थोडी जमीन लेकिन वे सब इस बैराज को बनाने में चली गयी। इसलिए मै चाहता हूं कि सरकार इस तरफ भी ध्यान दे। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप हमें भी बोलने का समय दें। मै आपसे केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि आप हमारी बात सुने।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, मै आपको बताना चाहूंगा कि आपको कितना टाईम बोलने के लिए दिया गया है। आप बजट पर भी बोल लिए और कल भी आप बीस मिनट बोले है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः सर, बजट पर तो मै बोला ही नही हूं।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये तो बाहर भी खडे खडे बोलते ही रहते है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि पांच मिनट आप बोल ले और पांच मिनट टिलूराम जी बोल लेंगे। लेकिन पहले उनको बोलने दें।

श्री टिलूराम (गुहला, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आपकी बहुत बहुत मेहरबानी कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो भाराबबंदी लागू की है मै ईमानदारी से इसके हक में हूं। लेकिन आज जो इसका नतीजा कुछ और आ रहा है मै उसके बारे में सरकार को बताना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरा इलाका पंजाब के बोर्डर के साथ लगता है। सुमाना गांव जो कि पंजाब की एक सब डिविजन है, मै पिछली दफा डेढ करोड रुपये का भाराब को ठेका हुआ था लेकिन इस

बार वहां पर साढे पांच करोड का ठेका गया है। इसी तरह से नवां गांव मे पिछली बार 70–80 लाख रुपये का ठेका हुआ था लेकिन अब की बार चार करोड रुपये का ठेका हुआ है। यह भी मेरे हलके के साथ लगता हुआ है। यानी मेरे कहने का मतलब है कि मेरे हलके के साथ लगते हुए पंजाब के इलाके में दस करोड रुपये का ठेका भाराब का हुआ है। इसलिए मै सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि अगर सरकार वास्तव में इस मामले को गंभीरता से लेती है तो उसको इन सरकारो से बात करनी चाहिए। वह क्यों नही पडोसी प्रदे ाो से इस मामले में बात करती? सरकार को उनसे कहना चाहि कि कम से कम हरियाणा के साथ लगते चार या पंच किलोमीटर तक तो कोई ठेका न खोले। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे जाने के लिए पहले वाया पंजाब से होकर जाना पडता है और उसके बाद ही हम हरियाणा में गुजर सकते है। जहां उनके गांव है वही उनको ठेका खोलना चाहिए। मै चाहूंगा कि आप ऐसा कोई प्रावधान रखेगे ओर उनके मुख्यमंत्री से बात करेंगे कि कम से कम कुछ दूर तो ठेके होने चाहिए नही तो किस किस आदमी को हम रोक सकते है? स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा दूसरी यह गुजारि ा करना चाहता हूं कि भाामलात जमीन के बारे में कल यहां कम्युनिस्टो ने बडा तगडा धरना दिया था। मेरे हल्के और सरदार जसविन्द्र सिंह जी के हल्के मे ऐसी भाामलात जमीन है। वहां पाकिस्तान से उजडकर लोग आए थे और जंगल तोडकर वे लोग वहां बसे थे। अब उनके दिमाग में यह डर बैठा हुआ है कि पता नही कब उनको चौधरी बंसी लाल जी वहां से उठाकर

बाहर कर दें। मै चाहूंगा कि इस सरकार को कोई काइटेरिया फिक्स कर उस जमीन को जो वहां 40–50 साल से रह रहे है, कि तो पर अलौट करके दी जाए ताकि वे अपने बाल–बच्चो का पालन–पोशण कर सके। मेरे हलके मे सडको की जो द ाा है, उसके बारे में मै दो–तीन दफा कह चूका हूं। बार बार कहना उचित नही होता। इसी प्रकार स्कूलो के बारे में भी मैने कह दिया। एक सडक के बारे में जरुर कहना चाहूंगा कि पेहवा से चीका की सडक बडी अच्छी कारपेट हो रही थी और उस सडक से जाने का मन करता था लेकिन जैसे ही यह कारपेट होते होते गुहला सब–डीविजन तक आई, उस पर ब्रेक लग गया। इस बारे पता किया तो कहते है कि फंड नही है। फंड क्या मेरे हलके मे आते ही खत्म हो गए?

श्री अध्यक्षः कौन से साल में और कौन से महीने मे यह ब्रेक लगा है?

श्री दिलू रामः सर, यह ब्रेक इसी साल जून महीने में लगा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमें इस चीज से यह भाक नजर आता है कि जहां हविपा और भाजपा का विधायक नही है, उस हल्के के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः पेहवा से कौन सा विधायक है।

श्री दिलू रामः सर, पेहवा से सरदार जसविन्द्र सिंह जी है।

श्री अध्यक्षः जब वहां सडक बन रही है तो आपके साथ भेदभाव की क्या बात।

श्री दिलू रामः सर, जब मेरे हलके में बन जाएगी तो भेदभाव वाली कोई बात नही रहेगी। अध्यक्ष महोदय, अब मै बिजली के बारे में कहना चाहूंगा। कल भी मैने कहा था कि जब भी हमारी ओर से कोई प्र न पूछता है तो सत्ता पक्ष की ओर से यह जवाब आता है कि पहले की सरकार ने क्या किया। मै तो इस बारे में यही कहूंगा कि पहली सरकार ने जो बोया था वह उन्होने काट लिया लेकिन अब जो पौधा आप लगाएंगे उसका फल भी आपके सामने आ जाएगा। आपको यह कहना चाहिए कि यह कमी हम दूर करेंगे। फिर ये कहते है कि हमने गडडे खोदे। अगर हमने गडडे खोदे तो आपको यह कहना चाहिए कि हम बंद कर देंगे। अगर आप ये बाते करेंगे तो अगली बार हम आपकी जगह वहां होंगे और आप हमारी जगह बैठे होंगे। जनता जनार्दन किसी का वोट नही करती। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इन्हे दिन रात इधर बैठना नजर आता है। वहां बैठे बैठे भी ये हमारी पार्टी के सदस्यो को किस तरह के लालच प्रलोभन देते रहते है। इनको ऐसा नही कहना चाहिए, इन्हे दिन में सपने नही लेने चाहिए। इनकी पार्टी के नेता से जब झारखंड मुक्ति मोर्चा की बात करते है तो वे चले जाते है। स्पीकर साहब, हरियाणा की जनता ने इनकी

छुटटी कर दी है क्योंकि पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है अब इनको दोबारा मौका नही मिलेगा।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार बन गई हम इनका वैलकम करते है। हम विरोध नही करेंगे। हम जनता जर्नादन को सब कुछ मानते है। जनता ने जो फैसला किया है, ठीक लिया है, हमें उसका स्वागत करना चाहिए। (घंटी) आज जो आपने एम0 एल0 ए0 होस्टल में कारपेंटिंग करवाई है, वर्नि ा करवाई है उसके लिए बडी मेहरबानी। लेकिन साथ ही आपने वहां खाना इतना महंगा कर दिया कि आम खाना 17 रुपये का है। उसके साथ अगर थोडा दही, एक कटोरी मांग ले तो वह चार रुपये एवं यदि एक छोटी कटोरी मक्खन की मांग ले तो वह दो रुपये की ओर लग जाती है। (विघ्न) सुन तो लो मेरे हाथ में यह कटोरी है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जाति को सामने न लाये सम्मानित मैम्बर के लिए ऐसे भाब्द न कहें। मंत्री महोद को कहे कि अपने भाब्द वापस ले मेरी आपसे यह विनती है कि जो इन्होने भाब्द कहे है वे इसको वापस लें।

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी, पहले आप इनको बोलने दे फिर आप बोलना।

श्री कर्ण सिंह दलालः मेरा प्वायंट आफ आर्डर है सर। कांग्रेस पार्टी को खाने की पडी रहती है। यह पार्टी इस दे ा को खा गई है। कही बोफोर्स कांड, कही यूरिया कांड और अब एम0 एल0 ए0 होस्टल का खाना जो 17 रुपये में मिलता है उसके लिए इन्होने रोना भाुरु कर दिया है। इनको तो खाने की प्र ांसा करनी चाहिए।(विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री पार्लियामैंटरी अफेयर मंत्री है, इनको तो रुल्ज रेगूले ान को फोलो करना चाहिए। ये ऐसी बातें न करें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी दीलू राम जी ने जो विशय छेड दिया है, उसके लिए मै सदन को बताना चाहता हूं कि पिछले पांच साल से लगातार हम यह बात कहते रहे कि एम0 एल0 ए0 होस्टल मे सुधार हो लेकिन कप्तान अजय सिंह जो मेरे पडोसी है, अच्छे साथी है ओर उस समय बाई चांस मंत्री थे, मैने इनको कई बार कहा कि होस्टल की तरफ भी देखो लेकिन इनके पास होस्टल जाने का समय नही था। आज चौधरी दीलू राम जी ने ठीक फरमाया है कि थोडे से सय में एक काया पलट हुई है। अगर कोई बात रह गई है, उसको भी पूरा किया जायेगा लेकिन जो कटोरी इनके हाथ में है यह होस्टल की नही कही दूसरी जगह की है। (विघ्न)

श्री दीलू रामः मै कर्ण सिंह दलाल जी को एक बात कहना चाहूंगा कि ********* यहां नही होता (विघ्न) * * * * * *इन्होने देखा नही है, उसका इनको ज्ञान नही है। ** ** ** ** ** तो भाई साहब पाकिस्तान मे होता है यहां तो नाट का तमा ाा होता है। ये बाजीगर *** *** *** *** नही करते। स्पीकर साहब, मै आपसे अनुरोध करुंगा कि इन्होने जो भाब्द कहे है। उनको ये वापस लें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः जो दलाल साहब ने चौधरी दिलूराम के बारे में भाब्द कहे है, उनको कार्यवाही से निकाल दिया जाये। (विघ्न)

श्री दीलू रामः अध्यक्ष महोदय, मेरी हमे ाा ही यह कोि ा ा होती है कि मै कभी झूठ न बोलू और मै झूठ बोलता भी नही हूं। आप बात कर रहे है कि यह कटोरी एम0 एल0 ए0 होस्टल की नही है। लेकिन मै बताना चाहता हूं कि वास्तव में ही कटोरी एम0 एल0 ए0 होस्टल की है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। एक और गंभीर मुददा सदन के सामने आया है। इन्होने बहुत कांडो में इस प्रदे ा की जनता को लूटा है अब इनके कुछ और हाथ नही लग रहा है तो ये कटोरिया चुराने लगे है। इसलिए इन पर चोरी का मुकदमा दर्ज होना चाहिए (हंसी)

श्री अध्यक्षः श्री दीलू राम जी, अगर यह कटोरी होस्टल की है तो आप इसे यहां कैसे ले आए?

श्री दीलू रामः अध्यक्ष महोदय, यह कटोरी मै आपको दिखाने के लिए लाया हूं कि यह सिकुडती जा रही है और इसके विपरीत खाने के रेट बढते जा रहे है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सिर्फ रेट ही न बढाइए बल्कि इस कटोरी को भी बढाइए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै भी कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः कृप्या अब आप डां कमला वर्मा जी को बोलने दें। जब आपकी बारी आएगी तो आप बोल लेना। अब आप बैठिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आपकी मं ाा ठीक नही है। आप हमे ाा ही हमें बोलने नही देते है। हमें आप पर बिल्कुल भी वि वास नही है। यही कारण है कि कल हमस दन में आपके खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लाए।

श्री अध्यक्षः वि वास है या अवि वास है, यह तो आपकी व्यक्तिगत बात है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, 15 साल मे पहली बार विपक्ष स्पीकर के खिलाफ इस सदन में अवि वास प्रस्ताव लेकर आया है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, अब इनको बाहर जाना है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मै माननीय सदस्य जो कि बहुत पुराने विधायक है और मंत्री होने का भी इनको अवसर मिला है, मै इनको बताना चाहता हूं कि जिस पार्टी में आज ये है, उसी पार्टी की सरकार के समय जब इनके आज के नेता मुख्य मंत्री थे, 1984 में भी स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव आया था। मै उस विशय में नही जाना चाहता हूं। लेकिन बडे दुख की बात है कि जहां सुरजेवाला जैसे वकील बैठे हो, जहां कैप्टन अजय सिंह जैसे माननीय सदस्य बैठे हो, उनकी तरफ से ऐसी बात हो जाए तो यह भाोभा नही देता है। (विघ्न) मै कैप्टन साहब को एक बात बताना चाहता हूं कि वे वि वास करे या न करे यह तो इनकी अपनी मर्जी है। कल 5 आदमियो के उस अवि वास प्रस्ताव पर साईन थे जो कि हाई कोर्ट को अवि वास प्रस्ताव द्वारा हटाने के लिए क्या प्रोसीजर है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, चलो आपको हमारी भावना का तो पता चल गया है। विपक्ष की तरफ से आपके खिलाफ दस सदन में अवि वास प्रस्ताव आया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह तो कैप्टन साहब आपकी व्यक्तिगत बात है कि आप उस पर वि वास करे या न करें। (ाोर)I am not obliged to you. Take your seat and now you are not allowed to speak. Now. Dr. Kamla Verma Will speak.

वाक आउट

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने के लिए समय नही दे रहे है इसलिए मै एक ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करता हू। (इस समय माननीय सदस्य कैप्टन अजय सिंह यादव सदन से वाक आउट कर गए)

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997 (पुनरारम्भ)

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय मेरे विरोधी पक्ष के भाई आपकी उदारता का नाजायज फायदा उठा रहे है। आपने इनको बोलने के लिए काफी टाईम दिया फिर भी ये इस तरह से व्यवहार कर रहे है।

डा0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, इस अगस्त हाउस में बडे बडे गम्भीर मामले आते है और इस अगस्त हाउस में गम्भीर मसले भी आए है। इस अगस्त हाउस में चेयर के खिलाफ भी अवि वास प्रस्ताव आए है। स्पीकर साहब, 1966 से यह अगस्त हाउस इस जगह पर चल रहा है ओर उससे पहले यह दूसरी जगह चलता था। इस अगस्त हाउस में इस तरह के तीन अवि वास प्रस्ताव आए। एक बार अध्यक्ष के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव आया, वह रिजैक्ट हो गया। जो 1984 में चेयर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव आया, उस पर चर्चा हुई थी। स्पीकर साहब, यह जो अवि वास प्रस्ताव है that was not in order.

कांस्टीच्यू ान की धारा 179 (सी) के तहत 14 दिन के नोटिस के बिना ऐसे प्रस्ताव को स्वीकार नही किया जा सकता। हां रिमूवल पर चर्चा हो सकती है। स्पीकर साहब, हमने आपकी अनुपस्थिती में आपका अभिनन्दन करते हुए यह बात कही कि आपने उस अवि वास प्रस्ताव को मंजूर करके इस सदन की गरीमा को और उंचा उठाया है आपने यह एक नई रिवायत और एक नई परम्परा डाली है। आपने कहा कि मै इस महान सदन के सामने अपना सर झुकाता हूं क्योंकि मेरे खिलाफ अवि वास प्रस्ताव है। यह अवि वास प्रस्ताव आर्डरली नही था और वह संविधान की धारा 179 (सी) की भार्तो को भी पूरा नही करता था फिर भी आपने उसको स्वीकर किया। मै अपने विरोधी पक्ष के भाईयो से कहना चाहूंगा कि आप कोई फर्जी बात कह करके इस सरकार कर आलोचना करे तो फिर भी बात समझ मे आती है। हमने इनसे आलोचना में इस तरह के आंकडे मांगे तो ये वह आंकडे नही दे सके। कह दिया कि आंकडे तो मेरे दिल्ली वाले कुर्ते की जेब में रह गए। दिलू राम जी को आपने बोलने का समय दिया तो वे कहने लगे कि पहले मै अपने कागज ठीक कर लू फिर बोलूंगा। फिर भी आपने उनको बुलाया। स्पीकर साहब, ये बार बार हर सैटेंस पर खडे हो जाते है। स्पीकर साहब, आपने अपनी उदारता दिखाई और उस अवि वास प्रस्ताव को स्वीकार किया जबकि वह आर्डरली नही था। स्पीकर साहब, ये अपनी पुरानी आदत के अनुसार वैसे ही बात को हवा में उडा देते है। it does not appear good. आपने इनकी पार्टी के सदस्यो की संख्या के हिसाब .....

.....

.....

.....से जो बोलने का समय दिया, वह बहुत समय था इनकी पार्टी के सदस्य सबसे ज्यादा समय तक बोले है अब जिस तरह से यह व्यवहार कर रहे है वह निन्दनीय है, ठीक नही है।

स्थानीय भाासन मंत्री (डा कमला वर्मा): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बजट के बारे में बोलते हुए मेरे कुछ विपक्ष के भाईयो ने मेरे विभाग के बारे में आलोचना की। विपक्ष के नेता औम प्रका ा चौटाला साहब सदन मे नही है, मै उनको जवाब देना चाहती थी लेकिन फिर भी मै अब जवाब देती हू ताकि उस बात का हरियाणा प्रान्त की जनता को पता लग जाए कि विपक्ष के नेता हरियाणा प्रान्त की जनता और इस सदन को किस प्रकार गुमराह करते है। उन्होने एक मुददा उठाया कि नगरपालिकाओ और नगर परिशदो के काम कैसे होंगे क्योंकि बजट में उसके लिए केवल 15 करोड रुपये का प्रावधान किया है। मै उनको बताना चाहती हूं कि प्लान के तहत विभिन्न योजनाओ के तहत जो ग्रांट दी जानी है, वह 19 करोड 54 लाख रुपये के लगभग है। ध्यान देने की बात यह है कि भाहरी गन्दी बस्तियो के पर्यावरण के सुधार के लिए पिछले वर्श 7 करोड 12 लाख रुपये का प्रावधान था और इस वर्श 7 करोड 97 लाख रुपये का प्रावधान है। इसी प्रकार तदर्थ राजस्व योजना के तहत 123 लाख रुपये के विरुद्ध इस वर्श 136 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, उसके विरुद्ध

इस वर्श 100 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार 4 करोड 15 लाख रुपये और 3 करोड 65 लाख रुपये की ग्रांट हरियाणा सरकार ने भारत सरकार से उपलब्ध करनी है जो स्वीकृत हो चुकी है। नान प्लान स्कीम में विकास कार्यो पर खर्च की जाने वाली ग्रांट 53 लाख रुपये से बढा कर 55 लाख रुपये की है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड को दी जाने वाली ग्रांट 25 लाख रुपये से बढाकर 26 लाख रुपये कर दी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न नगरपालिकाओ /परिशदो एवं नगर निगमो की अपनी आय भी लगभग 150 करोड रुपये होनी है। इसके अतिरिक्त नेहरु रोजगार योजना के तहत भी लगभग 4 करोड रुपये के विकास कार्य करवाने की व्यवस्था है। इस प्रकार कुल मिलाकर 173 करोड 54 लाख रुपये नगरपालिकाओ/परिशदो एवं नगर निगमो को विकास तथा अन्य कार्यो के लिए उपलब्ध होगे जिसमें से लगभग 70 करोड रुपये कर्मचारियो के वेतन इत्यादि पर खर्च किए जांएंगे और बाकी विकास तथा अन्य भलाई के कार्यो के लिए उपलब्ध होंगे।

यह अलग बात है कि विपक्ष के साथियो ने कर्मचारियो की हडताल के बारे में इस मुददे को काफी उठाया। हमारे नगरपालिका कर्मचारियो ने अपनी हडताल अन–कंडी ानल विदड्रा कर ली। इसके बाद विपक्ष के पास कहने को कोई मुददा नही रहा था। विपक्ष के पास दो ही मुददे थे जिनके तहत वह सरकार को कठघरे में खडा करना चाहती थी। एक मुददा कर्मचारियो की

हडताल का ओर दूसरा मुददा गन्ने का मुल्य का था। हमारी सरकार ने समय रहते ही इन दोनो मुददो को खत्म कर दिया। कर्मचारियो ने अन कंडी ानल हडताल वापस ले ली और किसानो को गन्ने का पूरा भाव दे दिया गया।

अध्यक्ष महोदय धर्मबीर गाबा जी ने भी बोलते हुए कहा और ि ाकायत की कि नगर परिशद की कुछ जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी नगर परिशद की भूमि जो जामा मस्जिद धमन्डन राय के साथ लगती है, यह नजून भूमि है इसमें से 1350 वर्ग गज भूमि जो की खसरा नं0 357/1 के अंतर्गत आती है, स्थानीय भाासन विभाग के अनुसार ि ाक्षा विभाग को स्थानांतरित की हुई है। पहले वहां प्राइमरी स्कूल चलता था, क्योंकि यह भूमि ि ाक्षा विभाग के पास ही है। इसका नगरपालिका से कोई वास्ता नही है। जब तक यह भूमि वापिस ि ाक्षा विभाग से नगरपालिका को स्थानांतरित नही हो जाती तब तक कुछ नही हो सकता। जिला ि ाक्षा अधिकारी से पूछने पर पता चला कि भूमि अब भी उनके पास ही है तथा इस पर किसी का नाजायज कब्ज नही है।

अध्यक्ष महोदय एक प्र न नफे सिंह राठी जी ने उठाया था कि बहादुरगढ में नगरपालिका की कई करोड रुपये की जमीन पर अवैध कब्ज कर लिया गया है। मै बताना चाहूंगी कि 15–20 दिन पहले यह ि ाकायत आई थी। हमने उस ि ाकायत को

उपायुक्त महोदय को जांच के लिए भेज दिया था। कोई अवैध कब्ज करे, हम ऐसा नही होने देंगे।

अध्यक्ष महोदय, दिवान जी ने एक बात कही कि जो अन अथोराइजड कालोनीज है और वे नगरपालिका की भूमि पर है तो उनको रैगुलराइज किया जाना चाहिए। इस संबंध मे मै उनको बताना चाहूंगी कि वह उस जगह का नक ाा पास करवाए। यदि वह बिल्डिंग के बाई लाज के नार्म्ज पूरे करते होगे तो वे उनको कमैटी की इलैक्टिड बोर्ड की जो एक सब कमेटी है, उससे उनके नक ो पारित करवाये और फिर पार्शदो के माध्यम से उस स्कीम को उपायुक्त महोदय को एप्रूवल के लिए भेज दें। जब सारी भार्तो पूरी हो जाएगी तो सरकार एक मिनट की देरी किए बिना उनको एप्रूव कर देगी।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर समाज कल्याण विभाग पर बोलते हुए भाई बलबीर सिंह जी ने कहा कि विकलांगो को हर वर्श पैं ान लेने के लिए विकलांग का सर्टिफिकेट लेना पडता है। मै उनके कहना चाहती हूं कि ऐसा कोई विधान नही है कि उन्हे हर वर्श विकलांग का सर्टिफिकेट लेना पडे। एक बार प्रमाण पत्र लेने के बाद पैं ान भ्रुरु हो जाती है। एक बार पैं ान भ्रुरु हो जाए तो वह काटी नही जाती है। इसी प्रकार से वृद्धवस्था पैं ान बुजुर्गो को दी जाती है। यह पैं ान 1987 मे वृद्धो का सम्मान करते हुए दी जानी चाहिए। उस वक्त इसका आधार आर्थिक नही था लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट की एक रुलिंग आई। वर्श 1990से

वृद्धावस्था पैं ान के लिए बुजुर्गो को आर्थिक आधार से जोडा गया। इसमें कुछ भार्ते लगाई जैसे एक तो वह हरियाणा का निवासी हो, और उसकी आयु 65 वर्श से अधिक होनी चाहिए, इसके साथ ही यह भार्त भी जोडी गई कि वह 100 रुपये से अधिक पैं ान किसी अन्य स्तोत्र से प्राप्त न कर रहा हो। इस पैं ान को देने के लिए भी कई तरीके इस्तेमाल किए गए। पहले यह पें ान मनी आर्डर के जरिये देते रहे है। 1990–91 में 8 महीने यह पैं ान वृद्धो को नही दे पाए। इस सरकार ने आते ही यह नियम तय किया कि पैं ान की रा ि ा 7 तारीख तक हर वृद्ध को उसको घर दी जाएगी क्योंकि मनी आर्डर और पासबुक से पैं ान सही वक्त पर नही मिल पाती थी। स्पीकर साहब, वृद्धावस्था पैं ान के बारे में स्थिती मैने बता दी है। हर दो साल बाद इसके लिए फार्म भरे जाते है। विधवा पैं ान के बारे में एक बात आई कि क्लर्क या कोई सो ाल वैल्फेयर आफिसर काट देते है। अगर ऐसा कोई केस हमारे नोटिस में लाया जाता है तो उस पर तत्काल एक ान होता है। अनिल विज जी ने बताया कि किसी की पैं ान काट दी जाती है। मै यहां पर यह स्पश्ट करना चाहूंगी कि किसी अधिकारी या क्लर्क को यह हक नही है कि वह किसी पैं ान को काट दे अगर ये कोई स्पेस्फिक केस नोटिस में लाए तो तत्काल एक ान लिया जाएगा। रामफल कुण्डु ने नए फार्म भरे जाने के बारे में पूछा था। मै उनको बताना चाहूंगी कि दो वर्श के दौरान नए फार्म भरे जाते है। पैं ान स्वीकृत करने के लिए सो ाल वैल्फेयर आफिसर के साथ एक डाक्टर, तहसीलदार और

नायब तहसीलदार भी होता है। वे जो कर वैरीफाई करते है। सर्वे हर दो साल के बाद होता है। पहले 1991 में फिर 1993 और 1995 में सर्वे हुआ और अब 1997 में सर्वे होगा। सारे पेपर्ज तैयार होने के बाद पैं ान जारी की जाती है। जो भी इलिजिबल लोग है उनको पैं ान अव य दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही माननीय सुरजेवाला जी ने एक बात यह कही कि हरिजनो के लिए पैसा बहुत कम रखा गया है ओर हरिजनो को कुछ आर्थिक सहायता नही दी जाती। इसके बारे में कह कर मै अपनी बात समाप्त करुगी। हरियाणा का वर्श 1997–98 का कुल बजट 1575 करोड रुपये रखा गया है। अनुसूचित जाति और पिछडे वर्गो के कल्याण के लिए मै मानती हूं कि 27.22 करोड रुपये की रा ि ा रखी गई है। मै श्री सुरजेवाला को बताना चाहती हूं कि अनुसूचित जातियो और पिछडे वर्गो के लोगो के कल्याण के लिए इसके अतिरिक्त ओर भी अनेको योजनाएं है जिनके लिए रा ि ा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सब–काम्पोनैंट प्रोग्राम के माध्यम से भी कार्यक्रम चलाए जा रहे है जिसके लिए रा ि ा नि चित नही होती है। भारत सरकार ने 20% अनुसूचित जातियो की संख्या के अनुपात मे रे ाो रा ि ा रखी है और उसके विकास के लिए 19.75% रा ि ा खर्च करने के दि ाा निर्दे ा है। इसकी समीक्षा के लिए मुख्य सचिव के स्तर पर एक सब–कमेटी गठित की जाती है फिर यह तय किया जाता है कि अनुसूचित जातियो के लोगो की संख्या कितनी है। वर्श 1985–86 में 6.81% का लक्ष्य रखा गया था। जोकि वर्श 1996–97 मे बढाकर 12.4 प्रति ात हो

गया है। राज्य की कुल प्लान 1430 करोड रुपये से 177.21 करोड रुपये इस मद के लिए रखे गए है। वर्श 1997–98 की वि ोश घटक योजना (एस0 पी0 पी0) के लक्ष्य अभी मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा नि चत किए जाने है। यह प्रयास किया जाएगा कि वर्श 1997–98 में भी योजना व्यय में कम से कम यह प्रति ातता का यह लक्ष्य बनाकर रखा जाए।

यह ठीक है कि राज्य कि 1997–98 की कुल योजना 1575 करोड रुपये मे से अनुसूचित जाति तथा पिछडे वर्ग कल्याण विभाग के लिए केवल 27.22 करोड रुपये की रा ि ा रखी गई है जो कुल योजना का 1.72 प्रति ात बनती है। इस बारे मे यह भी स्पश्ट किया जाता है कि बजट व्यवस्था में प्लान, नान प्लान तथा केन्द्रीय प्लान की कम ाः 8.78 करोड, 10.12 करोड तथा 8.32 करोड रुपये की रा ि ा भी भाामिल है। वर्श 1996–97 में भी जब राज्य का कुल योजना बजट 1430 करोड रुपये का रखा गया था, उस समय भी लगभग इसी प्रति ातता पर विभाग को प्लान, नान प्लान तथा केन्द्रीय प्लान में कुल 25.83 करोड रुपये अलाट किए गए थे। यहां यह भी उल्लेख किया जाता है कि वर्श 1997–98 की राज्य प्लान मे विभाग द्वारा 22.52 करोड की योजना का प्रस्ताव रखा गया था परन्तु केवल 8.8 करोड रुपये आबंटित किए गए है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको वि वास दिलाना चाहती हूं कि हरिजन ओर बैक्वर्ड क्लास के लोग जो भी काम करना चाहते है हम

उनको उस काम को करने के लिए जल्दी से जल्दी ऋण और अनुदान देने में सहायता करेगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय जो कह रही है वह गलत बात है ये गलत स्टेटमैंट दे रही है।

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी आप बैठ जाएं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, हमें क्लैरिफिके ान लेने के लिए भी समय नही दिया जा रहा, इसलिए हम सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल कांग्रेस के सभी सदस्यगण वाक–आउट कर गए)

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1997 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister will move that the Bill be passed.

The motion was carried.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, i beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

13:15 Hours

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9:30 a.m tomorrow.

(The Sabha then adjourned till 9:30 a.m on Thursday, the 20th March, 1997.)